भाद्रपद कृष्ण - 5 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 43 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 04-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के पास न तो नेता है और न ही नीति : राय

6 आज बाजारीकरण के युग में सच्चा शिक्षक होना आसान नहीं

7 विपक्षी गठबंधन का नाम बदलने से 'सनातन धर्म' के प्रति नफरत नहीं छिप सकती : अनुराग ठाकुर

फर्स्ट टेक

ओडिशा एसटीएफ ने 41.16 लाख मूल्य के नकली नोट जब्त किए

भुवनेश्वर/वार्ता। ओडिशा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने सोनपुर जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 41.16 लाख रुपये से अधिक के नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) जब्त किए हैं। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। यहां एसटीएफ सूत्रों ने कहा कि एफआईसीएन की छपाई और प्रसार करने वाले एक संगठित गिरोह के खिलाफ एक अभियान के तहत एक सितंबर को उलुंडा, सोनपुर के पास छापेमारी की गई थी। सुथ्स ने 41.16 लाख रुपये से अधिक अंकित मूल्य की अच्छी गुणवत्ता वाली एफआईसीएन जब्त की।

असम राइफल्स के जवानों के आहार में 'श्री अन्न' शामिल

शिलांग/भाषा। केंद्र की 'श्री अन्न'(मिलेट्स) को बढ़ावा देने की नीति के तहत असम राइफल्स के जवान अपने आहार में धीरे-धीरे चावल और गेंहू की मात्रा कम कर रहे हैं और इनके स्थान पर रेशों की उच्च मात्रा से युक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक 'श्री अन्न' को भोजन में शामिल कर रहे हैं। बल के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पी.सी.नायर ने यह जानकारी दी। असम राइफल्स के महानिदेशक ने बताया कि अर्द्धसैनिक बल ने अपने राशन में 10 प्रतिशत 'मोटे अनाज' को शामिल किया है। लेफ्टिनेंट जनरल नायर ने 'पीटीआई-भाषा'से कहा, हम चावल के स्थान पर ज्वार, बाजरा और रागी दे रहे हैं और गेंहू के स्थान पर जवानों को हम दलिया परोस रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष' मना रहा है और असम राइफल्स ने भी अकसर नजर अंदाज किए जाने वाले भारतीयों के मुख्य आहार को अंगीकार किया है।

दिनेश शर्मा उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवार

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा को प्रदेश में 15 सितंबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिये उम्मीदवार बनाया है। यह उपचुनाव 15 सितंबर को होगा। राज्यसभा सदस्य हरद्वार दुबे के निधन के कारण यह सीट खाली हुयी है और उपचुनाव आवश्यक हो गया है। दुबे भाजपा से ही राज्यसभा सदस्य थे। इस सीट का कार्यकाल नवंबर 2026 तक है। राज्य विधानसभा में भाजपा को मिले जोरदार बहुमत के कारण शर्मा का निर्वाचित होना लगभग तय है। दुबे की तरह वह भी ब्राह्मण समुदाय से हैं।
शर्मा 2017-22 के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के पहले कार्यकाल में दो उपमुख्यमंत्रियों में से एक थे।

04-09-2023	05-09-2023
सूर्यास्त 6:28 बजे	सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
65,387.16	19,435.30
(+555.75)	(+181.50)

सोना	चांदी
6,200 रु.	75,700 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

गार्ड ऑफ ऑनर

रविवार को बेंगलूरु के कमांड हॉस्पिटल एयर फोर्स (सीएचएएफबी) का दौरा करने पहुंचे एयर मार्शल आर मूलीश, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी), ट्रेनिंग कमांड, आईएएफ को एक प्रभावशाली गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

भारत 2047 तक होगा विकसित राष्ट्र

भ्रष्टाचार, जातिवाद की कोई जगह नहीं होगी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आर्थिक वृद्धि को अपनी सरकार के नौ साल के कार्यकाल की राजनीतिक स्थिरता का 'स्वाभाविक सह-उत्पाद' बताते हुए उम्मीद जताई है कि 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र होगा, जिसमें भ्रष्टाचार, जातिवाद और सांप्रदायिकता के लिए कोई जगह नहीं होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले सप्ताह पीटीआई-भाषा को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने की कवायद में केंद्रीय बैंकों को नीतिगत रुख के बारे में समय पर और स्पष्ट सूचना देनी चाहिए ताकि प्रत्येक देश के महंगाई रोकने की लड़ाई के कदमों का दूसरे देशों पर नकारात्मक दुष्प्रभाव न पड़े।

इस समय जहां अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक सुस्ती, गंभीर किल्लत, ऊंची मुद्रास्फीति और अपनी आबादी की बढ़ती उम्र की समस्या का सामना कर रही हैं वहीं भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है जिसके पास सबसे बड़ी युवा आबादी है।

मोदी ने कहा, विश्व इतिहास में लंबे समय तक भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक था। बाद में उपनिवेशवाद के प्रभाव की वजह से हमारी वैश्विक पहुंच घट गई। लेकिन अब भारत एक बार फिर आगे बढ़ रहा है। हमने जिस रफ्तार से दुनिया की 10वीं से पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था तक लंबी छलांग लगाई है वह दर्शाता है कि भारत को अपना काम बखूबी पता है।

उन्होंने लोकतंत्र, जनांकिकी और विविधता के साथ विकास (चार 'डी') को भी जोड़ते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक का काल व्यापक अवसरों से भरपूर है और इस दौर में रहने वाले भारतीयों के पास वृद्धि की एक नींव रखने का बड़ा अवसर है जिसे आने वाले हजारों साल तक याद रखा जाएगा।

ऋण संकट दुनिया के लिए बड़ी चिंता का विषय

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि ऋण संकट दुनिया, खासकर विकासशील देशों के लिए बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत आगामी जी20 शिखर सम्मेलन में इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने का प्रयास करेगा, ताकि इस संबंध में कर्ज से बोझ से दबी कम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की मदद के लिए एक ठोस रूपरेखा तैयार की जा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले सप्ताह पीटीआई-भाषा को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी20 ने ऋण कमजोरियों से पैदा होने वाली वैश्विक चुनौतियों से निपटने पर काफी जोर दिया है। मोदी ने कहा, ऋण संकट वास्तव में दुनिया, खासकर विकासशील देशों के लिए बड़ी चिंता का विषय है। विभिन्न देशों के नागरिक इस संबंध में सरकारों द्वारा लिए जा रहे फैसलों का अनुसरण कर रहे हैं। कुछ सराहनीय परिणाम भी आए हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहली बात यह है कि जो देश ऋण संकट से गुजर रहे हैं या इससे गुजर चुके हैं, उन्होंने वित्तीय अनुशासन को अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है। मोदी ने कहा, दूसरा, जिन्होंने कुछ देशों को ऋण संकट के कारण कठिन समय का सामना करते देखा है, वे उन्हीं गलत कदमों से बचने के लिए सचेत हैं।

साइबर अपराध से मुकाबले को वैश्विक सहयोग जरूरी : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आतंकवादी संगठन कट्टरता फैलाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहे हैं और डार्क नेट, मेटावर्स और क्रिप्टोकरेंसी मंच जैसे उभरते डिजिटल माध्यमों का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने साथ ही साइबर अपराधों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की जरूरत बताई। प्रधानमंत्री ने पीटीआई-भाषा के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि विश्व बैंक का अनुमान है कि साइबर हमलों से 2019-2023 के दौरान दुनिया को लगभग 5,200 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि इनका असर वित्तीय पहलुओं से परे ऐसी गतिविधियों पर पड़ता है, जो बेहद चिंताजनक हैं। इसके सामाजिक और भू-राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं। उन्होंने कहा, साइबर आतंकवाद, ऑनलाइन कट्टरपंथ, धनशोधन से लेकर ड्रग्स और आतंकवाद तक धन पहुंचाने के लिए नेटवर्क मंचों का इस्तेमाल... ये असल चुनौती का एक छोटा हिस्सा है, जो दिखाई दे रहा है।

'आदित्य एल1' की पृथ्वी की कक्षा से संबंधित पहली प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि देश के पहले सूर्य मिशन 'आदित्य एल1' की पृथ्वी की कक्षा से संबंधित पहली प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। इसरो के मुताबिक, इस प्रक्रिया को यहां स्थित इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) से

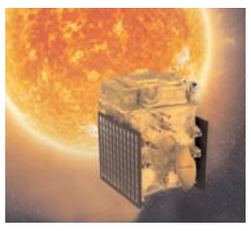

अंजाम दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने यह भी कहा कि 'आदित्य एल1' उपग्रह एकदम ठीक है और यह समान्य ढंग से काम कर रहा है।

इसरो ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में बताया कि कक्षा संबंधी अगली प्रक्रिया पांच सितंबर, 2023 को भारतीय समयानुसार देर रात लगभग तीन बजे के लिए निर्धारित है।

इसने कहा, आदित्य-एल1 मिशन : उपग्रह एकदम ठीक है और सामान्य ढंग से काम कर रहा है। पृथ्वी की कक्षा से संबंधित पहली प्रक्रिया (ईबीएन1) आईएसटीआरएसी, बेंगलूरु से सफलतापूर्वक निष्पादित की गई। प्राप्त की गई नई कक्षा 245 किलोमीटर - 22,459 किलोमीटर है।

41.16 लाख मूल्य के नकली नोट जब्त किए

भुवनेश्वर/वार्ता। ओडिशा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने सोनपुर जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 41.16 लाख रुपये से अधिक के नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) जब्त किए हैं। एक संगठित गिरोह के खिलाफ एक अभियान के तहत एक सितंबर को उलुंडा, सोनपुर के पास छापेमारी की गई थी।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आईईडी का समय से पता लगने से हमले की साजिश नाकाम

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में रविवार को एक शक्तिशाली आईईडी (इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) का समय रहते पता चलने से एक बड़े हमले की साजिश नाकाम हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि सेना के एक दल को तड़के करीब पौने पांच बजे सांगपुर गांव में जम्मू-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क के किनारे रखे टिफिन के एक डिब्बे में यह आईईडी मिला।

जम्मू स्थित रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्थवाल ने बताया कि आईईडी का पता चलने के बाद निकटतम सेना शिविर से तीन दल वहां पहुंचे और कल्लार तथा बालावेन्यू में मोटर वाहन जांच चौकी स्थापित की। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही पुलिस को सूचना दी गयी और अभियान में शामिल किया गया। बम निरोधक दस्ते ने आईईडी वाले स्थान पर पहुंचकर सुबह करीब सवा आठ बजे इसे निष्क्रिय कर दिया।

वोटबैंक की राजनीति और

तुष्टिकरण के लिए सनातन धर्म का अपमान किया गया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डूंगरपुर (राजस्थान)/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन की 'सनातन धर्म' के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा और उन पर वोटबैंक तथा तुष्टीकरण की राजनीति के लिए 'सनातन धर्म' का अपमान करने का आरोप लगाया।

शाह ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे सहित द्रमुक नेता कह रहे हैं कि 'सनातन धर्म' को समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

डूंगरपुर जिले के बेणेश्वर धाम में भाजपा की दूसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरूआत के मौके पर आयोजित एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इन लोगों ने वोट बैंक की और तुष्टिकरण की राजनीति करने के लिये सनातन धर्म को समाप्त करने की बात की है.. हमारी संस्कृति..हमारे इतिहास और सनातन धर्म का अपमान किया है।

उन्होंने कहा (पूर्व प्रधानमंत्री) मनमोहन सिंह ने कहा था बजट पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है...हम कहते हैं कि बजट पर पहला अधिकार गरीबों का, आदिवासियों का दलितों का और पिछडों का है। इन्होंने वोट बैंक की लालच में अल्पसंख्यकों का पहला अधिकार सिद्ध कर दिया।

पुतिन और एर्दोआन के बीच अहम अनाज समझौते पर वार्ता से पहले रूस ने यूक्रेन के बंदरगाह पर हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र के एक बंदरगाह पर रविवार को करीब साढ़े तीन घंटे तक ड्रोन से हमला किया जिसमें घायल दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह हमला रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और तुर्किये के उनके समकक्ष रजब तैयब एर्दोआन की होने वाली मुलाकात से एक दिन पहले किया गया। पुतिन और

एर्दोआन सोमवार को काला सागर के रास्ते यूक्रेन से अनाज निर्यात समझौते को बहाल करने को लेकर रूसी शहर सोची में चर्चा करने वाले हैं। इस समझौते से रूस जुलाई में अलग हो गया था।

यूक्रेन की वायुसेना ने टेलीग्राम संदेश में बताया कि रूसी सेना ने ईरान में निर्मित 25 शाहिद ड्रोन से रविवार तड़के डेन्यूब नदी के किनारे हमला किया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ एंद्रिये येरमाक ने बताया कि यह हमला रूस द्वारा दुनिया में खाद्य संकट और भुखमरी को बढ़ाने के लिए किया गया।

इस बीच, यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र स्थित वुहलेदर गांव पर रविवार को रूस द्वारा की गई गोलाबारी में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

सोनिया गांधी दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को हल्के बुखार की शिकायत के बाद दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ डॉक्टर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सोनिया को शनिवार शाम मध्य दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा, सोनिया को हल्का बुखार है, लेकिन उनकी हालत ठीक है। चिकित्सकों की एक टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर रख रही है। सूत्रों ने बताया कि सोनिया की हालत स्थिर है।

ओडिशा में बिजली गिरने से 12 की मौत, 16 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/वार्ता। ओडिशा के 11 जिलों में शनिवार को बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हुए।

विशेष राहत आयुक्त कार्यालय (एसआरसी) के सूत्रों ने आज यह जानकारी दी।

एसआरसी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि बिजली गिरने से खोरधा में चार, बोलांगीर में दो तथा अनुगुल, बौध, जगतसिंहपुर, गजपति, पुरी और ढेंकनाल जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। यहां भारी बारिश के दौरान बिजली गिरी है।

एसआरसी कार्यालय ने रविवार को बताया कि बोलांगीर में बिजली गिरने से आठ लोग घायल हो गए, खोरधा और अनुगुल में तीन-तीन, कटक व गंजम में एक-एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। इसके अलावा गजपति में छह और कंधमाल में दो मवेशियों के मारे जाने की खबर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शोक संतप्त परिवार को चार-चार लाख रुपये का अतिरिक्त मुआवजा दिया जाएगा। एसआरसी कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि मवेशियों की मौत के मामले में स्वीकार्य सहायता दी जाएगी।

एक राष्ट्र एक चुनाव संदेह को बढ़ावा देना वाला : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/वार्ता। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के ''एक राष्ट्र-एक चुनाव'' पर जोर देने की आलोचना करते हुए इसे संदेह को बढ़ावा देने वाला बताया।

स्टालिन ने कहा यह संघवाद को कमजोर करने का एक ज़बरदस्त प्रयास है , यह लोकतंत्र नहीं बल्कि तानाशाही का नुस्खा है। उन्होंने यहां एक पार्टी पदाधिकारी के विवाह समारोह में कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार का 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर जोर देना हमारे

संघीय ढांचे को कमजोर करने का एक ज़बरदस्त प्रयास है।' उन्होंने कहा, ''यह केंद्रीकृत शक्ति की ओर एक कदम है जो राज्यों के संघ, भारत के सार के खिलाफ है।''

स्टालिन ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यह अचानक घोषणा और उसके बाद पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय समिति का गठन केवल संदेह को बढ़ावा देता है। ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' तानाशाही का नुस्खा है, लोकतंत्र का नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राजग शासन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' लाने का विचार महज एक साजिश है और यह लोकतंत्र नहीं बल्कि तानाशाही है जिसका सामना आज देश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''पीएम मोदी 'एक देश, एक चुनाव' की साजिश रच रहे हैं।

द्रमुक के सुप्रीमो ने विपक्षी महागठबंधन 'इंडिया गठबंधन' पर कहा कि भाजपा इससे डरी हुई है। यह देश के संघीय ढांचे की रक्षा के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर करने के मुख्य लक्ष्य के साथ बना है।

उन्होंने कहा, ''केंद्र ने पूर्व राष्ट्रपति को टीम का प्रमुख बनाया है। भले ही वह पूर्व राष्ट्रपति हैं, लेकिन उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए। एक ऐसी टीम बनाई गई है जो भाजपा की आवाज पर चलती है। यह तानाशाही है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल लोकतंत्र

कानून सभी की मुट्ठी में,
हम आज हुए इतने स्वतंत्र।
हैं जाति भेद आरक्षण हित,
विस्मृत समता के मूल मंत्र।
कैसे चल पाएगी मशीन,
जब जंग लगे हों सभी यंत्र।
मजबूत हो गया व्यक्तिवाद,
घायल दिखता है लोकतंत्र।।

रक्तदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के एसडीजेसीएम व राष्ट्रोत्थान रक्तदान केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में मोबाइल रक्तदान वैन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर रक्तदान केन्द्र के विनोदकुमार पटवा, उद्योगपति दिलीप मुणोत, निर्मल भंडारी, मेहुल तलेसरा, डॉ संदीप नीरजगी आदि उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में शामिल सभी प्रतिभागियों को रक्तदान के लिए प्रमाणपत्र भेंट किया गया। सभी सहयोगियों का सम्मान किया गया।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के रोटरी स्कूल में रविवार को आयोजित कृत्रिम पांव शिविर में 15 जरुरतमंदों को पांव वितरित किए गए। इस मौके पर चामराज क्षेत्र के विधायक हरीश गौड़ा, रोटरी अध्यक्ष अरुण बेलवाडी, सामाजिक सेवा निदेशक गौतम सालेचा आदि उपस्थित थे।

इसरो के वैज्ञानिकों ने किए साध्वियों के दर्शन, हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपुजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री पराप्रभाजी के दर्शनार्थ इसरो के चन्द्रयान -3 में शामिल वैज्ञानिक व गदग निवासी सुधीन्द्र बिन्दगी संघ पहुंचें।

बिन्दगी ने संतों के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साध्वीश्री ने आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर संघ के चेयरमैन मदनलाल भंसाली, जयंतीलाल जैन, कांतिलाल फोलामुथा, अध्यक्ष पंकज बाफ़ना, समिति सदस्य मदन ओसवाल, विनोद मुथा, धीरज बाफ़ना, जवाहरलाल बंदा, मांगीलाल गादिया, सुनील अग्रवाल आदि ने सुधीन्द्र बिन्दगी का सम्मान किया ।

पलवल-नई दिल्ली ईएमयू ट्रेन पटरी से उतरी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पलवल से नई दिल्ली आ रही एक लोकल ईएमयू ट्रेन दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल प्रगति मैदान के पास रविवार सुबह पटरी से उतर गई। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पलवल-नई दिल्ली ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन का पांचवां डिब्बा सुबह 9.47 बजे पटरी से उतर गया। उन्होंने कहा कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारी के मुताबिक, ट्रेन में ज्यादा भीड़ नहीं थी। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि ट्रेन डाउन मेन लाइन पर निजामुद्दीन और तिलक ब्रिज के बीच पटरी से उतर गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रेलवे कर्मी मरम्मत के लिए पहुंच गए हैं। उत्तर रेलवे ने 300 से अधिक रेलगाड़ियों की सूची जारी की है, जिनकी सेवाएं 9-10 सितंबर को होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के कारण प्रभावित रहेंगी। इसने कहा कि 207 ट्रेन रद्द कर दी गई हैं, जबकि 15 के टर्मिनल और छह के मार्ग बदले गए हैं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए जम्मू तवी-नई दिल्ली राजधानी, तेजस राजधानी हजरत निजामुद्दीन और वाराणसी-नई दिल्ली तेजस राजधानी सहित 70 रेलगाड़ियों के लिए ठहराव के अतिरिक्त स्टेशनों की व्यवस्था की गई है।

वालमार्ट ने 3.5 अरब डॉलर से फ्लिपकार्ट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। खुदरा क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट ने भारतीय ई-कॉमर्स सहायक फ्लिपकार्ट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। वालमार्ट ने 31 जुलाई, 2023 तक 6 महीने में अपने गैर-नियंत्रित हितधारकों से शेयर हासिल करने के लिए 3.5 अरब डालर (लगभग 28,953 करोड़ रुपये) का भुगतान किया है। खुदरा कंपनी ने अमेरिकी शेयर बाजार (यूएस एसईसी) को दी जानकारी में कहा कि इन छह महीनों के दौरान कंपनी को बहुलांश हिस्सेदारी वाली सहायक कंपनी फोनपे के लिए इक्विटी वित्तपोषण के नए चरण से 70 करोड़ डॉलर प्राप्त हुए। 6 महीनों के दौरान कंपनी ने फ्लिपकार्ट के कुछ गैर-नियंत्रित हितधारकों से शेयर हासिल करने और फोनपे के पूर्व गैर-नियंत्रित हितधारकों की देनदारी का निपटान करने के लिए 3.5 अरब डॉलर का भुगतान किया। इस सौदे के बाद भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट में वालमार्ट की हिस्सेदारी बढ़कर 80.5% हो जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
CHANGE OF NAME
I, Deepesh Mehta, S/o Labhchand Mehta aged about 44years, R/at No. 126/6, Mahantha layout, Basavangudi, Bengaluru 560019, declare that as per aadhar card and school records my daughter name is URVI MEHTA, But in the passport her name reflected as **Urvi Deepesh Mehta. I** declare that my daughter name should be rectifed as **'Urvi Mehta'** in all her records vide affitdavit before notary P. N. Nagesh on 31.8.2023

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में आठ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, अन्य चार गिरफ्तार

दंतेवाड़ा/भाषा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में तीन महिलाओं समेत आठ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया तथा चार अन्य नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि पुलिस के सामने शुक्रवार को आत्मसमर्पण करने वाले आठ नक्सली कटेकल्याण इलाके में सड़कों को नुकसान पहुंचाने, नक्सली पोस्टर तथा बैनर लगाने और नक्सली नेताओं के लिए रेकी करने जैसी घटनाओं में शामिल थे।

उन्होंने कहा कि शनिवार को गिरफ्तार किए गए चार अन्य नक्सली पिछले साल अरनपुर इलाके में गोलीबारी और विस्फोट करने की एक घटना में शामिल थे। राय ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले आठ नक्सलियों ने दावा किया कि वे पुलिस के 'लोन वर्राटू' पुनर्वास अभियान से प्रभावित और ''खोखली'' नक्सली विचारधारा से निराश थे।

'संस्कारवान व्यक्ति नर से नारायण बन सकता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित वैष्णव भवन में आयोजित सत्संग कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए श्री बालाजी मठ मंदिर लोक न्यास ग्वालियर के चेयरमैन एवं गौमाता गौरक्षा फाउंडेशन के राष्ट्रीय मंत्री भानूप्रताप दुबे ने कहा व्यक्ति के जीवन में संस्कारों का प्रादुर्भाव जन्म से पहले गर्भकाल से ही शुरू हो जाता है। संस्कारवान व्यक्ति नर से नारायण बन सकता है। संसार में रहना और जीने मरने की कला को सीखना चाहिए। इसी से जन्म सुखद और सार्थक हो सकता है। जब तक हम परमात्मा के विषय में केवल सुनते रहते हैं तब तक संसार को सत्य मानते हैं और जब सत्य स्वरूप परमात्मा का साक्षात्कार कर लेते हैं तो संसार असत्य लगने लगता है। काल अपने वास्तविक रूप में किसी को दर्शन नहीं देते, वह अदृश्य हैं परंतु इस संसार में हमेशा उपस्थित रहते हैं। इसका सबसे अच्छा उदाहरण है चंद्रमा और सूर्य, यह काल की दो आंखें हैं जो इस संसार को देखते हैं जैसे सूर्य प्रातः काल दृश्यमान होकर सांय काल में अदृश्य हो जाते हैं।

भारत का रूस से कच्चा तेल आयात अगस्त में घटकर सात माह के निचले स्तर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मानूसन की बारिश की वजह से मांग घटने के चलते अगस्त में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर सात माह के निचले स्तर पर आ गया है। उद्योग के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देश भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात अगस्त में लगातार तीसरे महीने घटा है। ऊर्जा की खेप पर निगाह रखने वाली कंपनी 'वॉर्टेक्सा' के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त में भारत ने रूस से प्रतिदिन 14.6 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा। इससे पिछले महीने भारत ने रूस से प्रतिदिन 19.1 लाख बैरल तेल खरीदा था।

इसके अलावा भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने एक अन्य शीर्ष आपूर्तिकर्ता इराक से भी आयात घटाया है।

इराक से आयात 8,91,000 बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) से घटकर 8,66,000 बैरल प्रतिदिन रह गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि इस दौरान सऊदी अरब से आयात जुलाई के 4,84,000 बैरल प्रतिदिन से बढ़कर 8,20,000 बैरल प्रतिदिन हो गया है। पिछले साल फरवरी में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने से पहले भारत के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम थी। रियायती दरों पर रूसी तेल मिलने की वजह से उसके बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों से रूस से आयात बढ़ाना शुरू किया। मई में रूस से कच्चा तेल आयात 20 लाख बैरल प्रतिदिन के उच्चस्तर पर पहुंच गया था। पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी तेल पर यूरोपीय देशों और जापान जैसे एशिया के कुछ खरीदारों ने प्रतिबंध लगा दिया था।

दिव्यांग बच्चों की संस्था को मेरी मृत्यु के बाद भी सालाना एक करोड़ रुपये मिलते रहेंगे : पद्मश्री अली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। एक बेहद खास और दिल को छू लेने वाला कदम उठाते हुए अनिवासी भारतीय (एनआरआई) कारोबारी एम ए यूसुफ अली ने वादा किया है कि वह यहां स्थित दिव्यांग बच्चों को समर्पित कला केंद्र को हर वर्ष एक करोड़ रुपये का दान देते रहेंगे और आश्वस्त किया कि यह राशि उनकी मृत्यु के बाद भी हर साल संस्था को मिलती रहेगी।

इसके साथ ही पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित अली ने डिफरेंट आर्ट्स सेंटर (डीएसी) को 1.5 करोड़ रुपये का दान दिया। यह संस्थान दिव्यांग बच्चों के कला कौशल को पहचानने और निखारने के लिए काम करती है। अली ने कासरगोड के डायवर्सिटी रिसर्च सेंटर के 'लोगो' को जारी करने के लिए यहां संस्थान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में आठ लाख से अधिक दिव्यांग बच्चे हैं। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना हमारा सामाजिक दायित्व भी है कि इन बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले। यह दायित्व केवल इन बच्चों के माता-पिता या संस्थान का नहीं है। समाज के प्रति अपने दायित्व को पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए अली ने कहा कि डीएसी को वह 1.5 करोड़ रुपये का चेक देंगे। व्यापारी ने इसके साथ ही कार्यक्रम में वादा किया कि वह हर वर्ष डीएसी को एक करोड़ रुपये की राशि का दान देंगे जो उनकी मृत्यु के बाद भी मिलती रहेगी। अली ने कहा,'हर वर्ष संस्थान को एक करोड़ रुपये मिलेंगे। यह राशि का मेरी मृत्यु के बाद भी मिलना जारी रहेगी। मैं अपनी टीम को निर्देश दूंगा और वह सभी कागजी प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी। हर वर्ष के जनवरी में संस्थान के पास राशि पहुंच जाएगी।'

आंध्र प्रदेश में ऑटोरिक्शा और लॉरी के बीच टक्कर में पांच लोगों की मौत

बापटला(आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में रविवार तड़के एक ऑटोरिक्शा और एक लॉरी के बीच हुई टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना तड़के साढ़े चार बजे संथामागुलुरु गांव के पास गुंटूर-कुर्नूल राजमार्ग पर हुई। इसमें घायल हुए दो लोगों का इलाज नरसरावपेटा अस्पताल में किया जा रहा है। घटनास्थल पर पहुंचे जिले के पुलिस अधीक्षक वकुल जिंदल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा,'सड़क पर बने गड्ढों से बचने के लिए लॉरी के चालक ने अचानक वाहन को दाईं ओर मोड़ दिया और सामने से आ रही ऑटोरिक्शा से इसकी टक्कर हो गई।' अधिकारी के अनुसार, ऑटोरिक्शा में सात लोग सवार थे, जो मर्कापुर में एक विवाह समारोह से वापस लौट रहे थे।

पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में भारतीय दंड संहिता की धारा 304 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है और फरार लॉरी चालक की तलाश की जा रही है।

ब्रिक्स से जुड़ने वाले छह सदस्यों का जीडीपी में हिस्सा सिर्फ 11 प्रतिशत होगा : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स में जनवरी से जुड़ने जा रहे छह देशों की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी सिर्फ 11 प्रतिशत होगी। एक विश्लेषण के बाद जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें भी सबसे ज्यादा चार प्रतिशत का हिस्सा सऊदी अरब का होगा। एसबीआई रिसर्च द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार, पांच सदस्यीय ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) में अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शामिल होने के बाद वैश्विक जीडीपी में समूह की हिस्सेदारी मौजूदा 26 प्रतिशत से बढ़कर 30 प्रतिशत हो जाएगी और समूह का वैश्विक आबादी में हिस्सा 46 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। एक जनवरी, 2024 से प्रभावी हो रहे विस्तार की घोषणा ब्रिक्स की हाल में दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में हुई बैठक में की गई। ब्रिक्स के सकल घरेलू उत्पाद में फिलहाल चीन की हिस्सेदारी 70% है, जो एक जनवरी को घटकर 62% रह जाएगी, वहीं भारत की समूह में जीडीपी हिस्सेदारी मौजूदा के 13% से घटकर 12% रह जाएगी।

खरगे ने संसद के विशेष सत्र से पहले पांच सितंबर को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों की बैठक बुलाई

नई दिल्ली/भाषा। संसद के विशेष सत्र से पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पांच सितंबर को 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी दलों के सांसदों की एक बैठक बुलाई है। सूत्रों ने कहा कि विपक्षी दल 18 से 22 सितंबर तक आयोजित होने वाले आगामी विशेष सत्र के लिए अपनी रणनीति तय करेंगे। उन्होंने बताया कि खरगे ने यहां राजाजी मार्ग स्थित अपने आवास पर यह बैठक बुलाई है। संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र का एजेंडा अभी तक स्पष्ट नहीं है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस) के घटक दल एकजुट हैं और 2024 के लोकसभा चुनावों के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों पर एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने की योजना बना रहे हैं। गठबंधन के सहयोगी दलों ने संसद के मानसून सत्र के दौरान भी एकजुटता प्रदर्शित की थी।

मप्र में भाजपा टूट रही है, इसलिए विस चुनाव से पहले मुख्यमंत्री चौहान घबराहट में हैं : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रविवार को दावा किया कि मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) टूट रही है और इसी लिए इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान घबराहट में हैं और आनन-फानन में प्रदेश की संपत्ति कर्ज में गिरवी रखकर कुछ भी घोषणा कर रहे हैं।

सुरजेवाला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मध्य प्रदेश में भाजपा बिखर रही है, टूट रही है। शिवराज सिंह चौहान (घबराहट) में हैं। शिवराज सरकार आनन-फानन में प्रदेश की संपत्ति गिरवी रखकर कुछ भी घोषणा किए जा रही है।'' उन्होंने चौहान पर निशाना साधते हुए आगे कहा, ''जिस व्यक्ति ने 18 साल पाप किए हों, वह 30 दिन में उनका प्रायश्चित कैसे कर सकता है। शिवराज सिंह जी के पाप का घड़ा भर गया है। उनके पाप और जुल्मों की सजा भगवान महाकाल देंगे और महाकाल रूपी मध्य प्रदेश की जनता देगी।'' सुरजेवाला ने कहा, ''भाजपा की आदत अपने सारे नेताओं को अपमानित करने की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (के नेतृत्व वाली केंद्र) सरकार और शिवराज (के नेतृत्व वाली राज्य) सरकार ने भाजपा के वरिष्ठ लोगों को लगातार दरकिनार किया। हिंदुस्तान का इतिहास रहा है कि जो अपने बुजुर्गों का तिरस्कार करता है, उसे भगवान भी माफ नहीं करते हैं।''

'युवा उपभोक्ता ब्रांड के बारे में चर्चा के आधार पर करते हैं खरीदारी का निर्णय'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में कई युवा उपभोक्ता अपनी खरीदारी का निर्णय किसी ब्रांड के बारे में 'चर्चा' के आधार पर करते हैं। नई पीढ़ी के ब्रांड संस्थापकों ने यह बात कही है। उनका कहना है कि युवा उपभोक्ता उत्पाद के बजाय किसी ब्रांड पर चर्चा के आधार पर खरीद करते हैं।

स्थिरता और ब्रांड से जुड़ाव के युग में डी2सी (सीधे उपभोक्ताओं तक) और नई पीढ़ी की कंपनियों के संस्थापकों को लगता है कि उनके बारे में लोगों के विचार सुनकर उपभोक्ता बार-बार खरीदारी करने के लिए प्रेरित होते हैं, लेकिन दूसरों को लगता है कि उपभोक्ता को उत्पाद आश्वस्त करता है, क्योंकि यही उनकी एक समस्या का समाधान करता है।

शार्क टैंक से प्रसिद्ध हुए ओरल केयर ब्रांड परफोरा के संस्थापक जतन बावा ने कहा कि लोग एक ऐसे नए ब्रांड की कहानी में दिलचस्पी लेते हैं, जो पुराने ब्रांड के विपरीत यथास्थिति को चुनौती दे रहा है, जिनके संस्थापकों या ब्रांड निर्माण की कहानी अच्छी तरह से ज्ञात नहीं है। महिला प्रौद्योगिकी स्टार्टअप सिरोना के सह-संस्थापक और 'एंजल' निवेशक दीप बजाज मानते हैं कि लोग उन वादों के आधार पर ब्रांड खरीदते हैं, जिनके बारे में उन्होंने सुना होता है। उन्होंने कहा कि जो स्टार्टअप बड़े पैमाने पर विज्ञापन नहीं कर सकते, वे नई पीढ़ी के साथ अपनी कहानियां साझा कर सकते हैं।

स्लीपी ऑउल कॉफी के सह-संस्थापक अरमान सूद के विचार कुछ अलग हैं। वह कहते हैं कि लोग ब्रांड के बारे में चर्चा के आधार पर खरीदारी नहीं करते। उन्होंने कहा, जरूरी नहीं कि लोग चर्चा के आधार पर ही कोई ब्रांड खरीदें। लोग उत्पाद इसलिए खरीदते हैं वह उनकी जरूरत होता है।''

तंबाकू निषेध : विशेषज्ञ चाहते हैं मुनाफे से ज्यादा बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता दें ओटीटी

नई दिल्ली/भाषा। विशेषज्ञों और राजनीतिक नेताओं ने ओटीटी मंच पर प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रमों में तंबाकू निषेध चेतावनियों और 'डिसक्लेमर' (अस्वीकरण) को प्रदर्शित करने पर जोर देते हुए कहा है कि उद्योग को मुनाफे से ज्यादा बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो बच्चे तंबाकू सेवन के दृश्य देखते हैं, उनमें धूम्रपान की कोशिश करने की आशंका अधिक होती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 31 मई को सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए)- 2004 के तहत अधिसूचित संशोधित नियम में ओवर-द-टॉप (ओटीटी) मंच के लिए तंबाकू निषेध चेतावनी प्रदर्शित करना अनिवार्य किया है, जैसा कि थिएटरों में प्रदर्शित फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों में देखा जाता है। यह नियम एक सितंबर को लागू हुआ। ओटीटी एक ऐसा मंच है जहां आप इंटरनेट के माध्यम से कहीं भी डिजिटल कंटेंट देख सकते हैं।

पुडुपल्ली उपचुनाव : एलडीएफ विकास कार्यों पर, यूडीएफ दिवंगत ओमन चांडी के प्रति सहानुभूति पर निर्भर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टयम (केरल)/भाषा। केरल में कोट्टयम जिले की पुडुपल्ली विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए तीन सप्ताह से जारी प्रचार अभियान रविवार शाम समाप्त हो गया।

सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) राज्य में विकास को बढ़ावा देने का दावा कर रहा है, जबकि कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) अपने नेता ओमन चांडी के निधन के बाद उनके प्रति सहानुभूति की लहर पर निर्भर है।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव प्रचार के दौरान यह तर्क देती नजर आई कि दक्षिणी राज्य और विधानसभा क्षेत्र में विकास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों के प्रयासों से हुआ है।

चुनाव प्रचार के दौरान प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी देखने को मिला। विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेताओं ने रैलियां भी कीं। प्रचार के दौरान केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और उनके परिवार पर भी विपक्षी यूडीएफ और भाजपा ने प्रहार किया।

यूडीएफ के प्रचार अभियान में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी सांसद शशि थरूर जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के अलावा इसकी राज्य इकाई के प्रमुख के सुधाकरन, विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन और रमेश चेन्निथला ने अहम भूमिका निभाई।

सतीशन ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि पार्टी उस सीट को बरकरार रखेगी, जिस पर 53 वर्षों से ओमन चांडी का कब्जा था। सतीशन ने कहा, '' हमें पूरा विश्वास है कि हम यह उपचुनाव जीतेंगे। हमारा मानना है कि चांडी ओमन राजनीतिक और धार्मिक बाधाओं को पार करते हुए वोट हासिल कर सकते हैं। यह चुनाव ओमन चांडी के प्रति लोगों के प्यार और वामपंथी सरकार के खिलाफ जनादेश को प्रतिबिंबित करेगा।''

कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी का 18 जुलाई को निधन होने के चलते पुडुपल्ली सीट रिक्त हुई है और इस सीट पर उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी। कांग्रेस ने ओमन चांडी के बेटे चांडी ओमन को उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया है।

कन्नड़ समर्थक संगठनों ने कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु को देने के विरोध में प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मांड्या। कावेरी नदी का पानी पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के लिए छोड़े जाने के विरोध में जारी आंदोलन के बीच विभिन्न संगठनों ने प्रदर्शन किया है। कन्नड़ समर्थक एक कार्यकर्ता ने रविवार को सीमाओं को अवरुद्ध करने और कर्नाटक में तमिल फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक लगाने की धमकी दी। कार्यकर्ता ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से भी कहा कि वे सभी तमिलों को बेंगलुरु से ले जाएं क्योंकि वे भी कावेरी नदी के पानी का उपभोग कर रहे हैं। कन्नड़ चलवली (वटल पक्ष) के संयोजक वटल नागराज ने मांड्या में संवाददाताओं से कहा कि पूरे कर्नाटक को एक सुर में एक इकाई के रूप में खड़ा होना होगा।

उन्होंने कहा कि सभी कन्नड़ समर्थक संगठनों और किसान समर्थक संगठनों को विरोध में सड़कों पर उतरना चाहिए। नागराज ने कहा, ''स्टालिन, मैं आपको चेतावनी देता हूं। क्या आप नहीं सोचते कि बेंगलुरु में रहने वाले तमिल लोग कावेरी का पानी पीते हैं?

यदि आप कावेरी का पानी चाहते हैं, तो यहां से सभी तमिलों को ले जाएं।'' उन्होंने कहा, ''हम आपको (स्टालिन) चेतावनी देते हैं। हम सीमाओं को अवरुद्ध कर देंगे। हम तमिल फिल्मों पर रोक लगा देंगे।''

इस बीच, तमिलनाडु को पानी देने से नाराज कन्नड़ सेना के कार्यकर्ताओं ने मांड्या जिले के फैक्टरी सर्कल और संजय सर्कल पर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कन्नड़ झंडे लहराते हुए बाइक रैली निकाली और नारे लगाते हुए तमिलनाडु को पानी छोड़ने को लेकर राज्य सरकार की निंदा की। मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और 'कावेरी बचाओ' का नारा दिया। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के निर्देश पर कर्नाटक प्रतिदिन अपने बांधों से कावेरी नदी का 5000 क्यूसेक पानी तमिलनाडु के लिए छोड़ रहा है।

बैठक

बेंगलूरु में रविवार को अभियान समिति के अध्यक्ष और मंत्री एमबी पाटिल ने केपीसीसी कार्यालय में लोकसभा चुनाव पर राज्य और जिला स्तरीय समिति के सदस्यों की एक बैठक का उद्घाटन किया, केपीसीसी अभियान समिति के सदस्य बीएल शंकर, मंजूनाथ भंडारी, सुधामदास, प्रकाश राठौड़, किम्मने रत्नाकर, यतींद्र सिद्धारमैया, रमेश बाबू नजर आ रहे हैं।

मुफ्त सेवाओं की गारंटी से मजबूत होती कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पैमाने के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी कल्याण योजना कही जाने वाली गृह लक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन के बाद कर्नाटक कांग्रेस सरकार सातवें आसमान पर है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से 1.10 करोड़ महिला परिवार प्रमुखों को 2,000 रुपये मासिक भत्ता दिया गया। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वादा किया है कि वे मुफ्त योजनाओं को लागू करने के अपने वादे पर कायम रहेंगे।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि गृह ज्योति (मुफ्त बिजली) योजना 1.56 करोड़ परिवारों तक पहुंच गई है और उनका बिजली बिल जीरो है, 48.5 करोड़ बार महिलाओं ने शक्ति योजना के तहत बसों में मुफ्त यात्रा की है और 1.39 करोड़ परिवारों को अन्न भाग्य मुफ्त चावल कार्यक्रम से लाभ हुआ है।

सिद्दरामैया ने कहा था कि युवा निधि कार्यक्रम जिसके तहत बेरोजगार स्नातकों, डिप्लोमा धारकों को क्रमशः 2,000 रुपये और 1,500 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा, जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा है कि कर्नाटक में शुरू की गई गारंटी योजनाएं देश के लिए रोल मॉडल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन्हें देश के बाकी हिस्सों में भी दोहराया जाएगा। कांग्रेस कर्नाटक में अपना दबदबा कायम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है क्योंकि बीजेपी अंदरूनी कलह में फंसी हुई है। हालांकि, समाज के एक वर्ग में चिंताएं व्यक्त की गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में लागू गारंटी योजनाओं का विशेष उल्लेख किया है और चेतावनी दी है कि ये योजनाएं राज्य को दिवालियापन की ओर ले जाएंगी।

भाजपा के राज्य मीडिया समन्वयक करुणाकर कसाले ने बताया कि गारंटी योजनाओं को पूर्ण पैमाने पर लागू नहीं किया गया है। कांग्रेस सरकार आर्थिक बोझ को नहीं समझ रही है। कांग्रेस नेतृत्व को सिर्फ आगामी लोकसभा चुनाव की चिंता है। राष्ट्रीय चुनाव के बाद शह-मात की पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न पदों पर स्थानांतरण की दरों में भारी वृद्धि देखी गई है। केवल साधारण बसों में ही मुफ्त यात्रा की अनुमति है। उन्होंने शिकायत की कि राज्य के स्वामित्व वाली बसों के कंडक्टर और ड्राइवर अपने वेतन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से एक किलोमीटर भी सड़क नहीं बनाई गई है। कोई विकास नहीं हुआ। सीमेंट, जैली स्टोन, लूज रेत की खरीद बंद कर दी गई है।' कसाले ने कहा कि एक मजदूर प्रति माह 15,000 रुपये आसानी से कमा सकता है। विकास परियोजनाएं रुकने से उन्हें 2,000 रुपये मासिक भत्ते से संतुष्ट होना पड़ेगा।

राजनीतिक विश्लेषक चन्नबसप्पा रुद्रप्पा ने बताया कि राज्य में मुफ्त योजनाएं अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। कांग्रेस नेतृत्व गारंटी योजनाओं को लागू करने में गंभीरता से लगा हुआ है। कर्नाटक में हर तीसरे घर को किसी न किसी योजना से लाभ हुआ है। सबसे ज्यादा लाभ निम्न मध्यम वर्ग और गरीबों को मिल रहा है। योजनाओं में शामिल होने के लिए पुरुषों और महिलाओं की बैंकों में भीड़ उमड़ रही है, राशन की दुकानों के आगे कतारें लगी हुई हैं। सरकार का अनुमान है कि मुफ्त सुविधाओं पर हर साल 56,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

उन्होंने बताया कि एससी और एसटी कल्याण योजनाओं के लिए आरक्षित 13,000 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर दिया गया है, जबकि धन जुटाने के लिए उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया गया है। विकास के लिए फंड जारी होना बंद हो गया है और विधायक इसे मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि, गारंटी लागू कर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने खुद को मजबूत किया है। इस समय पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा या पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा भी उन्हें चुनौती नहीं दे सकते।

हृदयाघात से उबरे पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा : मुझे मिला 'तीसरा जन्म'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समय से उपचार मिलने के कारण हृदयाघात से उबरे कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि यह उनका 'तीसरा जन्म' है। अपने ठीक होने का श्रेय ईश्वर और उनका उपचार करने वाले डॉक्टरों के दल को देते हुए जनता दल सेक्युलर (जदएस) के दूसरे प्रमुख नेता कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य के लोगों के बीच बने रहने के लिए उन्हें नया जीवनदान मिला है। अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले उन्होंने लोगों से दिल के दौरे और पक्षाघात को हल्के में नहीं लेने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, '' पिछले पांच दिनों से मेरे कुछ मित्र डरे हुए हैं। यदि मैं आपसे बातचीत कर रहा हूं तो मैं यह जरूर कहूंगा कि मेरा पुनर्जन्म हुआ है।'' उन्होंने कहा , '' जहां तक मेरे स्वास्थ्य की बात है, तो ईश्वर ने मुझे तीसरा जन्म दिया है। किसी व्यक्ति को एक जन्म मिलता है , लेकिन मेरे मामले में मेरी राय है कि 64 साल की उम्र में मुझे तीसरा जन्म मिला है।'' कुमारस्वामी को 30 अगस्त को तड़के शहर के एक नामी-गिरामी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका इलाज करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था और वह पूरी तरह ठीक हैं।

अस्पताल में भर्ती से जुड़े घटनाक्रम को याद करते हुए जदएस नेता ने कहा कि 30 अगस्त को रात करीब दो बजे उनकी नींद खुली और उन्हें लगा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तुरंत अपने

रिश्तेदार एवं मशहूर हृदयचिकित्सक डॉ. सी एन मंजूनाथ से संपर्क किया जिन्होंने एक स्नायु-विशेषज्ञ से परामर्श किया, स्नायु विशेषज्ञ ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी।

कुमारस्वामी ने लोगों से ऐसे लक्षण सामने आने पर एक भी मिनट बर्बाद नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा, '' मुझे रात करीब दो बजे पक्षाघात के लक्षणों का आभास हुआ। यदि मैंने उसकी अनदेखी की होती और यह कहा होता कि मैं सुबह में डॉक्टर के पास चला जाऊंगा तो मुझे अपनी बाकी जिंदगी बिस्तर पर लेटे हुए ही काटनी पड़ती।'' उन्होंने कहा कि कभी यह मत सोचें कि डॉक्टर पैसे बनाने के लिए काम कर रहे हैं क्योंकि जब मरीज उनके पास पहुंचता है तो वे ईमानदारी से उसे बचाने की कोशिश में लग जाते हैं।

अल्पसंख्यक वोट बैंक पर चलने वाली सांप्रदायिक पार्टी है द्रमुक : नारायणन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के भाजपा उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने रविवार को कहा कि द्रमुक एक 'सांप्रदायिक राजनीतिक दल है जो अल्पसंख्यक वोट बैंक पर चल रही है।' तिरुपति ने यह भी कहा कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी कैंसर की तरह है जिसका इलाज सनातन धर्म के सिद्धांतों के माध्यम से किया जा सकता है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने यह प्रतिक्रिया मंत्री उदयनिधि स्टालिन के बयान पर दी है।

उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को तमिलनाडु प्रोग्रेसिव राइटर्स फोरम द्वारा आयोजित सनातनम (सनातन धर्म) उन्मूलन सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म को मिटाने के लिए इस सम्मेलन में मुझे बोलने का मौका देने के लिए मैं आयोजकों को धन्यवाद देता हूं। मैं सम्मेलन को 'सनातन धर्म का विरोध' करने के बजाय 'सनातन धर्म को मिटाना' कहने के लिए आयोजकों को बधाई देता हूं।

उन्होंने यह भी कहा था कि कुछ चीजें हैं जिन्हें हमें मिटाना है और हम केवल विरोध नहीं कर सकते। मच्छर, डेंगू, कोरोना और मलेरिया ऐसी चीजें हैं, जिनका हम विरोध नहीं कर सकते, हमें इन्हें खत्म करना है। सनातनम भी ऐसा ही है। सनातनम को मिटाना और उसका विरोध न करना हमारा पहला कार्य होना चाहिए। नारायणन तिरुपति ने रविवार को उदयनिधि स्टालिन की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का सहारा लिया। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'यह डीएमके के लिए नया नहीं है। उनके लिए अच्छी चीजें बुरी हैं और बुरी चीजें अच्छी हैं। सनातन धर्म शाश्वत है। द्रमुक एक सांप्रदायिक पार्टी है जो मुसलमानों और ईसाइयों के वोट पर टिकी है।'' भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और डीएमके सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को मलेरिया और डेंगू से जोड़ा है।

उनका मानना है कि इसे (सनातन धर्म को) खत्म किया जाना चाहिए, न कि केवल इसका विरोध किया जाना चाहिए। संक्षेप में, वह सनातन धर्म का पालन करने वाली भारत की 80 प्रतिशत आबादी के नरसंहार का आह्वान कर रहे हैं। भाजपा ने विपक्षी दल इंडिया फ्रंट, जिसमें द्रमुक एक प्रमुख सदस्य है, से भी पूछा है कि क्या मुंबई बैठक में सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के नरसंहार पर सहमति बनी थी।

कार्यक्रम

मंगलुरु में रविवार को अभिनेता अनंत नाग और उनकी पत्नी गायत्री सिनेमा में अपने 50 साल पूरे होने के अवसर पर अनंत 50 कार्यक्रम के लिए सरोथ पहुंचे।

दौरा

बेंगलूरु में रविवार को एयर मार्शल आर मूलीश, एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी), ट्रेनिंग कमांड, आईएएफ ने कमांड हॉस्पिटल एयर फोर्स का दौरा किया।

सनातन धर्म पर उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी से विवाद, बीजेपी चलाएगी अभियान

चेन्नई/दक्षिण भारत। भाजपा की तमिलनाडु इकाई खेल और युवा मामलों के राज्य मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म के खिलाफ दिए गए बयान के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाएगी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के पुत्र मंत्री ने शनिवार को तमिलनाडु प्रोग्रेसिव राइटर्स फोरम की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 'सनातन धर्म को मच्छर, मलेरिया, डेंगू और कोरोना की तरह ही खत्म करना है।'

भाजपा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन, जो इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं, देश में सनातन धर्म में विश्वास करने वाली बहुसंख्यक आबादी के नरसंहार का आह्वान कर रहे थे। बीजेपी नेता ने कहा कि यह '80 फीसदी आबादी का नरसंहार' होगा। एक्स पर एक पोस्ट में, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, गोपालपुरम परिवार का एकमात्र संकल्प राज्य की जीडीपी से अधिक संपत्ति जमा करना है। तिरु उदयनिधि स्टालिन, आप और आपके पिता, या उनके या आपके विचारक के पास ईसाई मिशनरियों से खरीदा हुआ विचार है और उन मिशनरियों का विचार आप जैसे मूर्खों को अपनी दुर्भावनापूर्ण विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए तैयार करना है। अन्नामलाई ने यह भी कहा कि तमिलनाडु आध्यात्म की भूमि है और द्रमुक के लिए सबसे अच्छा काम यह होगा कि वह किसी कार्यक्रम में माइक पकड़कर खीझ प्रकट करें। उदयनिधि के बयान को लेकर बीजेपी देश भर में इसे एक बड़ा अभियान बनाने की भी योजना बना रही है।

केंद्रीय एजेंसियों ने तमिलनाडु में आतंकी मॉड्यूल व स्लीपर सेल के बारे में चेताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा तमिलनाडु में इस्लामिक ताकतों द्वारा आतंकी मॉड्यूल व स्लीपर सेल खड़ा करने के प्रयास की चेतावनी के बाद शुक्रवार को एनआईए ने एक युवक के आवास पर छापेमारी की थी। एनआईए को सूचना मिली थी कि युवक कुछ अन्य लोगों के साथ धन जुटाने और मुस्लिम युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें आतंकी संगठनों में भर्ती करने में शामिल है।

इससे तमिलनाडु के गृह विभाग में हड़कंप मच गया, जिसने तुरंत विशिष्ट 'क्यू' शाखा दस्ते को युवक, उसके सहयोगियों, परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों के बारे में विस्तृत जांच करने का आदेश दिया। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने तमिलनाडु के गृह विभाग को प्रतिबंधित इस्लामी संगठन, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कुछ पूर्व कार्यकर्ताओं की संभावनाओं के बारे में बताया था, जो खुद को फिर से संगठित कर रहे थे और तमिलनाडु के कुछ इलाकों में गुप्त रूप से काम कर रहे थे, जिसमें सेलम, इरोड , कोयंबटूर, थेनी, रामनाथपुरम, मदुरै और तिरुनेलवेली जिले के कुछ क्षेत्र शामिल हैं।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि तमिलनाडु में 14 फरवरी, 1998 के सिलसिलेवार बम विस्फोट के साथ इस्लामी संगठनों द्वारा राज्य में हमला करने का इतिहास रहा है। कोयंबटूर में सिलसिलेवार बम विस्फोटों से अधिकतम तबाही और मौतें हुई थीं। इस विस्फोट में तत्कालीन उप प्रधान मंत्री एल.के. आडवाणी बाल-बाच बच गये थे, जबकि 58 लोगों की जान चली गयी थी और 200 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गये थे। दिलचस्प बात यह है कि तमिलनाडु का जेल विभाग, जो मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के अधीन आता है, ने उन 46 कैदियों की सूची भेजी है, जिन्हें द्रविड़ आंदोलन के संस्थापक नेता और तमिलनाडु के दिवंगत मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुराई की 15 सितंबर को जन्मदिन पर आजादी दी जानी है। सूची में आश्चर्यजनक रूप से इस्लामी आतंकवादी संगठन, अल-उम्मा के संस्थापक और कोयंबटूर बम विस्फोटों के मास्टरमाइंड एस.ए. बाशा भी शामिल हैं। 23 अक्टूबर, 2022 को कोयंबटूर के उक्कदम इलाके में कोट्टई ईश्वरन मंदिर के पास 29 वर्षीय युवक जमीशा मुबीन की कार में विस्फोट हो गया, जिससे उसकी जलकर मौत हो गई। जांच से पता चला कि मुबीन तबाही मचाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। 24 अक्टूबर, 2022 को दिवाली के दिन बाजार में गड़बड़ी करने की साजिश थी।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि कुछ इस्लामी संगठन राज्य में आतंकी मॉड्यूल बनाने की कोशिश कर रहे हैं और कोयंबटूर सीरियल ब्लास्ट की साजिश रचने और उसे अंजाम देने वाली एस.ए. बाशा जैसे पेशेवर आतंकवादी की रिहाई से उन लोगों को बल मिलेगा, जो तमिलनाडु को आतंक की पनाहगाह बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन अनुभवहीनता के कारण बम लक्ष्य से पहले ही फट गया और सैकड़ों लोगों की जान बच गई। एनआईए ने जांच अपने हाथ में ली और 20 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक मोहम्मद तलका था, जो कोयंबटूर सीरियल बम विस्फोट के दोषी और अल-उम्मा के संस्थापक का भतीजा है, जिसे अन्नादुरई की जयंती पर रिहा करने पर विचार किया जा रहा है।

केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि कुछ इस्लामी संगठन राज्य में आतंकी मॉड्यूल बनाने की कोशिश कर रहे हैं और कोयंबटूर सीरियल ब्लास्ट की साजिश रचने और उसे अंजाम देने वाली एस.ए. बाशा जैसे पेशेवर आतंकवादी की रिहाई से उन लोगों को बल मिलेगा, जो तमिलनाडु को आतंक की पनाहगाह बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

सितंबर 2022 में केंद्र सरकार द्वारा पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने के बाद, राज्य में अपेक्षाकृत शांति रही है और सांप्रदायिक झड़पों और राजनीति से प्रेरित हत्याओं में कमी आई है। लेकिन अल-उम्मा के संस्थापक नेता की जेल से रिहाई से आतंकी विचारधारा से जुड़े चरमपंथी तत्वों को उचित मार्गदर्शन और नेटवर्क मिलेगा। ये आतंकी संचालक अब भारतीय उपमहाद्वीप में तहरीक-ए-तालिबान और अल-कायदा के नाम से काम कर रहे हैं। तमिलनाडु पुलिस के सूत्रों ने आईएएनएस को यह भी बताया कि एस.ए. बाशा जैसा बड़ा आतंकवादी जेल से बाहर आकर राज्य में सक्रिय सभी निष्क्रिय आतंकी मॉड्यूलों को मदद करेगा और कुछ मंदिरों पर, यहां तक कि पर बड़े हमले को अंजाम दे सकता है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. CAO/CN/BNC/65/2023
दिनांक: 28.08.2023
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

क्र	कार्यों का नाम	अनुमानित मूल्य
1	पुनर्वास कार्य के भाग के रूप में मैसूरु-हासन खंड में मावीनाकेरे और हासन स्टेशनों के बीच किमी.99/500-600 पर एलसी-89 के बदले आरओबी के मैसूरु एन्ड अप्रोच पर अर्थ रिटेनिंग दीवार का निर्माण। (निविदा संदर्भ संख्या: MYS-ASK-LC-89R1)	रू. 9,89,01,921.12
	क्र.सं. 1 के लिए बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 19.09.2023 की 15:00 बजे तक।	
2	तुमकुरु-चित्रदुर्ग-दावणगेरे नई लाइन परियोजना के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राधिकरण अभियंता की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) - तोलहुणसे (छोड़कर) और भारमसागर (छोड़कर) स्टेशनों के बीच विद्युत और दूरसंचार कार्य सहित चेनेज 192000 और चेनेज 171640 के बीच नई बीजी लाइन का निर्माण। (निविदा संदर्भ संख्या: PMS-TK-DVG-R-1)	रू. 2,60,66,848.92
	क्र.सं. 2 के लिए बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 12.10.2023 की 15:00 बजे तक।	

विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
उप मुख्य अभियंता / निर्माण / कार्य
बेंगलुरु छावनी
PUB/345/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

वोटबैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म का अपमान किया गया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डूंगरपुर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी पर विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण के लिए सनातन धर्म का अपमान किया गया है। शाह ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे कह रहे हैं कि सनातन धर्म को खत्म कर देना चाहिए। भाजपा की दूसरी परिवर्तन संकल्प यात्रा की शुरूआत के अवसर पर डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में आयोजित एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, इन लोगों ने वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए सनातन धर्म की बात की है। उन्होंने (सनातन धर्म का) अपमान किया है।' शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि 'हिंदू संगठन लश्कर-ए-तैयबा से भी ज्यादा खतरनाक हैं।'

उन्होंने कहा, आप हिंदू संगठनों की तुलना लश्कर-ए-तैयबा से करते हैं। आपके मंत्री कहते थे कि हिंदू आतंकवाद चल रहा है।' विपक्षी गठबंधन को 'घमंडिया गठबंधन' बताते हुए शाह ने कहा कि गठबंधन वोट बैंक की राजनीति के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, लेकिन वे जितना सनातन (धर्म) के खिलाफ बात करेंगे, उतना ही कम नजर आएंगे।

उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि अगर मोदी

जीत गए तो सनातन शासन आ जाएगा। सनातन लोगों के दिलों पर राज कर रहा है। मोदी ने कहा है कि देश संविधान के आधार पर चलेगा। मोदी ने देश को सुरक्षित करने के लिए काम किया है।

अयोध्या में राम मंदिर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक राम मंदिर को बाधित किया लेकिन अदालत के आदेश के बाद मोदी ने भूमि पूजन किया और जनवरी में उसी भूमि पर जहां राम का जन्म हुआ था, भव्य राम मंदिर बनने जा रहा है। उन्होंने कहा विपक्षी गठबंधन इसे रोक नहीं सकता।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पहले सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब परिवर्तन यात्रा समाप्त होगी, तब तक गहलोत सरकार की रवानगी तय हो चुकी होगी। शाह ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि दंगा कराने वाली गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकिए। गहलोत क्या करें, उनका नेतृत्व ही ऐसा है। कांग्रेस नेता सनातन धर्म को समाप्त करने की बात करते हैं। सनातन धर्म पर ये जितना बोलेंगे, उतना कम होते जाएंगे। 2014 और 2019 में कम हुए, 2024 में दूरबीन लेकर भी नहीं दिखाई देंगे।

शाह ने कहा कि यदि कोई लाल कपड़े पहनता है तो उन्हें लाल डायरी दिखती है। इस लाल डायरी में गहलोत के सैकड़ों करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार दर्ज है, ये डायरी हमने नहीं, उन्हीं के पूर्व मंत्री ने दी है। यदि आपमें हिम्मत है तो जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पांच साल में किए गए घोटालों का हिसाब दीजिए।

आचरण की सभ्यता अपराध रोकने का मूल मंत्र : मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि युवाओं में बढ़ते अपराधों को रोकने में आचरण की सभ्यता मूल मंत्र है। मिश्रा आज यहां स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी, बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में युवाओं में अपराध के प्रति बढ़ती मानसिकता पर रोकथाम में समाज, पुलिस एवं शिक्षण संस्थाओं का दायित्व विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बच्चा और युवा जो देखता है उसी को अपने आचरण में उतारता है। माता-पिता, गुरूजनों एवं परिवारजनों का आचरण यदि अच्छा होगा तो उसका सकारात्मक प्रभाव युवाओं पर पड़ेगा। उन्होने आचरण को ही सबसे बड़ा शिक्षक बताया। उन्होने कहा कि युवाओं के पथ से भटकने में उनकी परवरिश तथा जिन नैतिक मूल्यों की तरफ वह आकृष्ट होते हैं उनका बड़ा योगदान रहता है। समाज मानवीय मूल्यों पर चलता है।

कार्यशाला के शुभारम्भ अवसर पर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पटना के विभागाध्यक्ष साइकेट्री प्रो. डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि युवाओं को अपराध में नहीं उतरने देना अपराधों को रोकने से अच्छा विकल्प है। कुलपति, डॉ. अरूण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में बढती अपराधिक गतिविधियों की रोकथाम में समाज, पुलिस एवं शिक्षण संस्थाओं के दायित्वों पर मंथन करना है। कार्यशाला पांच सत्रों में आयोजित की गई।

बदमाशों ने 35 लाख की नकदी से भरा एटीएम उखाडा

भरतपुर। राजस्थान में डीग जिले के गोपालगढ़ कस्बे से अज्ञात बदमाशों द्वारा एसबीआई की 35 लाख की नकदी से भरी एक एटीएम मशीन को उखाड़ कर ले जाए जाने की घटना सामने आई है। इस घटना के मामले में पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल कर बदमाशों का सुराग जुटाने में लगी हुई है लेकिन अभी बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। बताया गया कि रविवार सुबह जब राहगीरों ने एटीएम की दुकान के शटर को टूटा देखा तो लोगो के बीच सनसनी दौड़ गई। हिम्मत सिंह के अनुसार बूथ पर गार्ड नहीं था वह रात 10 बजे तक ही बूथ पर रहता है और जब वह बूथ से जाता है तो बूथ की शटर को बंद कर चला जाता है। फिलहाल घटना के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

विजन 2030 डॉक्यूमेंट से योजनाबद्ध तरीके से होगा राज्य का विकास : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमने फलौदी सहित प्रदेश की जनता से किए वादों को निभाया है। राज्य सरकार के प्रति जनता के विश्वास को आगे भी कायम रखेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक साथ 17 नए जिलों और 3 सम्भागों के ऐतिहासिक फैसले से अब मुख्यालय से दूरियां कम हुई हैं। राजस्व, शिक्षा, पानी, विद्युत, चिकित्सा, सड़क सहित अन्य कार्यों में आमजन को राहत मिली है। कानून व्यवस्था को अधिक मजबूती मिलेगी।

गहलोत रविवार को नवसृजित जिले फलौदी के परमवीर मेजर शैतान सिंह स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल के जिला स्तरीय प्रतियोगिता समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह खेल प्रतियोगिताएं देश में अनूठी पहल हैं। इससे प्रदेश में खेलों का माहौल बनेगा। प्रतिभाएं सामने आएंगी, उन्हें सरकार द्वारा निखारा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक जनहितैषी योजनाओं से हर वर्ग को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी कानून, महंगाई राहत कैम्पों में 10 योजनाओं की गारंटी, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स एक्ट, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गांरटी योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्णयों से राजस्थान पूरे देश में मॉडल स्टेट बना है।

गहलोत ने कहा कि नए जिलों के सृजन से विकास को गति मिलेगी। अभी विभिन्न योजनाओं में कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अब हर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ राजस्थान को वर्ष 2030 तक देश के अग्रणी राज्यों में शुमार कराना है। इसके लिए ''राजस्थान मिशन-2030'' के तहत भविष्य की योजना बना रहे हैं। गहलोत ने राज्य के योजनाबद्ध तरीके से विकास के लिए प्रदेशवासियों से ''विजन-2030 डॉक्यूमेंट'' में सुझाव देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का वादा किया था, उसे निभाया है। तीन लाख सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। स्वरोजगार और निजी समूहों से जोड़ने के लिए स्किल डवलपमेंट ट्रेनिंग के साथ जॉब फेयर लगाए जा रहे हैं। गहलोत ने कहा कि भीलवाड़ा में 6 सितम्बर को मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना का शुभारम्भ होगा। इसमें राज्य सरकार ही पशुपालकों का प्रीमियम भरेगी। उन्होंने कहा कि लम्पी रोग में गायों की मृत्यु पर 40 हजार रुपए प्रति गाय सहायता दी गई। वहीं, गौशालाओं को 5 वर्षों में 3000 करोड़ रुपए का अनुदान व सहायता दी जा चुकी है, जबकि वर्ष 2013 से 2018 तक गौशालाओं को लगभग 500 करोड़ रुपए का ही अनुदान दिया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में लगभग 6 लाख विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर भविष्य संवार रहे हैं। उन्होंने कहा कि संवेदनशील राज्य सरकार लगभग 6 लाख बच्चों को पालनहार योजना में सहायता पहुंचा रही है। गहलोत ने कहा कि निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को अमेरिका के चिकित्सकों ने भी सराहा है। उन्होंने कहा कि मुझे प्रदेश के चिकित्सकों ने बताया कि अमेरिका में अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कॉन्फ्रेंस के दौरान वहां के चिकित्सकों ने निःशुल्क दवा, जांच और 25 लाख रुपए तक के उपचार की मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की तारीफ की थी। कार्यक्रम में गहलोत ने राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेल अंतर्गत रस्साकशी और कबड्डी का जिला स्तरीय फाइनल मैच देखा। उन्होंने मैदान में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी खेलों में 58 लाख खिलाड़ियों का पंजीयन प्रदेश के खेल माहौल को दर्शाता है। गहलोत ने इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के लाभार्थियों को स्मार्टफोन वितरित कर संवाद भी किया।

राजस्थान में आपदा प्रभावितों को मानवीय दृष्टिकोण के साथ राहत उपलब्ध कराने का किया जा रहा है काम : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार आपदा से प्रभावित प्रत्येक नागरिक के लिए मानवीय दृष्टिकोण के साथ राहत उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है और उसके प्रयास फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नियमों में संशोधन किया है, जिसका प्रदेश के किसानों को फायदा मिलने लगा है। गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसी भी प्रकार की आपदा में न्यूनतम हानि तथा अधिकतम राहत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नॉर्म्स में संशोधन किया है। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कृषि आदान-अनुदान को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषि बीमा दावे के विरूद्ध समायोजित करने के प्रावधान को समाप्त करने की मांग की थी। मुख्यमंत्री के इस आग्रह पर केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नॉर्म्स में संशोधन किया। अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषि बीमा में समायोजन किए बिना सीधे ही प्रभावित किसानों को अलग से इनपुट सब्सिडी की पूरी राशि भी दी जा रही है। इससे किसानों को इनपुट सब्सिडी का तत्काल भुगतान होगा तथा फसल बीमा राशि का भी पृथक से भुगतान हो सकेगा।

गहलोत ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के पुराने तथा नये क्लेमों का भुगतान शीघ्र करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को 2022-23 की समस्त इनपुट सब्सिडी भी आगामी 15 सितम्बर तक वितरित किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020-21 से वर्ष 2022-23 के दौरान लगभग 30.15 लाख काश्तकारों को 2595.57 करोड़ रुपए की इनपुट सब्सिडी दी गई है, जिसमें वर्ष 2022-23 में 6.82 लाख कृषकों को 800 करोड़ रुपये की इनपुट सब्सिडी शामिल है।

बैठक में विभिन्न आपदाओं के दौरान पूर्व में दी गई तत्काल सहायता एवं स्वीकृतियों का कार्योत्तर अनुमोदन भी किया गया। इनमें कोविड-19 से मृत्यु होने पर मृतकों के आश्रितों को एसडीआरएफ से अनुग्रहिक सहायता (प्रति मृतक 50 हजार रूपये) के भुगतान के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को वर्ष 2021-22 में 137.56 करोड़ एवं वर्ष 2022-23 में 53 करोड़ रूपये का बजट आवंटन एवं मानसून वर्ष 2022 में अतिवृष्टि/बाढ़ से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों सड़कों, बांधों, नहरों, भवनों आदि के 208.54 करोड़ रूपए के 8599 राहत कार्य सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सजगता से की गई तैयारियों तथा राहत कार्यों के परिणामस्वरूप मानसून के प्रारंभिक महीनों में अधिक वर्षा होने पर भी बाढ़/वर्षाजनित हादसों में जनहानि नगण्य हुई।

सामूहिक बलात्कार की शिकार नाबालिग को भट्ठी में डालने के मामले में आरोप पत्र दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में सामूहिक बलात्कार की शिकार एक नाबालिग के शरीर के अंग कोयले की भट्ठी में मिलने के करीब एक महीने बाद पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र दायर किया, जिसमें कहा गया है कि भट्ठी में झोंके जाने से पहले लड़की जीवित थी। पुलिस ने फोरेंसिक जांच के बाद अपराध में भारतीय दंड संहिता की धारा 326 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना) जोड़ दी है। मामले में जांच अधिकारी और कोटडी पुलिस उपाधीक्षक श्याम सुंदर बिश्नोई ने बताया, ''फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट से पता चला है कि भट्ठी में डालने से पहले लड़की जीवित थी। शायद वह बेहोश थी, लेकिन वह जीवित थी।'' बिश्नोई ने बताया कि प्राथमिकी में भारतीय दंड संहिता की धारा 326 जोड़ी गई है, अदालत में शनिवार को आरोप पत्र दायर किये गये। मामले की अगली सुनवाई आठ सितंबर को होगी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 400 पन्नों की इस चार्जशीट में 11 आरोपियों में से नौ के नाम दर्ज हैं।

कथित तौर पर अपराध में शामिल दो नाबालिगों के खिलाफ एक अलग आरोप पत्र दायर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि तीन अगस्त को भीलवाड़ा के कोटाडी थाना क्षेत्र में, जो अब नवगठित शाहपुरा जिले का हिस्सा है, 14 वर्षीय नाबालिग युवती के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसे भट्ठी में फेंक दिया गया।

माइनिंग सेक्टर में सर्वाधिक रोजगार के अवसर : गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती वीनू गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वर्ष 2030 तक प्रदेश को अन्य क्षेत्रों की तरह ही माइनिंग क्षेत्र में भी अग्रणी प्रदेश बनाने के सपने को साकार करने के लिए प्रदेश के माइनिंग क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, खानधारकों, माइनिंग उद्यमियों, माइंस एक्सप्लोरेशन व खनन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों और विभिन्न एसोसिएशन के प्रतिनिधियों सहित सभी हितधारकों की मिशन 2030 के तहत जिलों में आयोजित शिविरों में सक्रिय हिस्सेदारी तय करते हुए सीधा संवाद कायम किया जा रहा है।

राजस्थान खनिज संपदा के क्षेत्र में देश में सर्वाधिक संपन्न प्रदेश है। इसी को ध्यान में रखते हुए

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मिशन 2030 शिविरों में हितधारकों की अधिक से अधिक हिस्सेदारी तय की जाए ताकि माइनिंग से जुड़े सभी क्षेत्रों व उद्यमों के विकास का विजन डाक्यूमेंट बनाते हुए क्रियान्वयन का रोडमेप तैयार किया जा सके।

श्रीमती गुप्ता ने निदेशक माइंस व अधिकारियों के साथ प्रगति समीक्षा करते हुए अब तक 10 जिलों में आयोजित मिशन 2030 शिविरों में हितधारकों की हिस्सेदारी व सुझावों को उत्साहवर्द्धक बताते हुए कहा कि मिशन के लक्ष्यों, भावी कार्ययोजना, विभागीय परिकल्पना और माइनिंग क्षेत्र में तेजी से विकास की संभावनाओं पर सीधा संवाद कर सुझाव प्राप्त करने पर जोर दिया जा रहा है ताकि इस क्षेत्र के विकास में यदि कोई अवरोध या बाधाएं आ रही है तो उन्हें दूर किया जा सके, व्यवस्था को और अधिक सरल बनाने के साथ ही मिशन 2030 का ऐसा रोडमेप तैयार किया जा सके कि राजस्थान माइनिंग क्षेत्र में देश दुनिया में नए आयाम स्थापित कर सकें। उन्होंने बताया कि कृषि के बाद माइनिंग सेक्टर ही ऐसा सेक्टर है जहां गांव-ढ़ाणी तक रोजगार के सर्वाधिक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

निदेशक माइंस संदेश नायक ने बताया कि मिशन 2030 के तहत विभाग द्वारा उद्योग विभाग के साथ संयुक्त रुप से हिस्सा लिया जा रहा है। अब तक अजमेर, उदयपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, पाली, भीलवाड़ा, जोधपुर, कोटा, सीकर और सिरोही सहित 10 जिलों में आयोजित शिविरों में हितधारकों का रेस्पांस उत्साहजनक रहा है। उन्होंने बताया कि 4 सितंबर को ही भरतपुर, भीलवाड़ा, बांसवाडा, झुन्झुनू और श्रीगंगानगर में मिशन 2030 के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

राजस्थान में पचास फास्ट ट्रैक कोर्ट खोलने पर किया जा रहा विचार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश में पीडितों को त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के लिए फास्ट ट्रैक अदालतें खोलने के संबंध में केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भिजवाने के साथ ही राज्य स्तर पर भी उच्च न्यायालय से विमर्श कर फास्ट ट्रैक अदालतें खोलने के प्रयास किए जाएंगे। गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में पचास फास्ट ट्रैक कोर्ट खोलने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने आपराधिक घटनाओं के बाद शव रखकर प्रदर्शन को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे अनुसंधान कार्य में वैधानिक अड़चनें आती हैं तथा यह दिवंगत के प्रति भी असंवेदनशीलता है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा मनचलों का रिकॉर्ड पुलिस थानों में दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू होने से ऐसी घटनाओं में कमी आई है एवं महिलाओं एवं अभिभावकों में सुरक्षा की भावना आई है। गंभीर अपराधों में केस ऑफिसर्स स्कीम के तहत कार्यवाही कर त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने धरियावद एवं कुचामन सहित अन्य घटनाओं में पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही कर मुल्जिमों की तत्काल धरपकड़ की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को बेहतर बनाए रखने के साथ ही अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए आदतन अपराधियों, जघन्य अपराधों में लिप्त अपराधियों, मादक पदार्थों के तस्करों आदि पर कड़ी कार्रवाई की जाए। गहलोत ने प्रत्येक थाना क्षेत्र में आदतन अपराधियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही अमल में लाने के निर्देश दिए।

बंगाल में कुलपति की मंजूरी के बिना सरकार से आदेश नहीं लेंगे विश्वविद्यालय के अधिकारी:राजभवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कुलपतियों को उनके संबंधित विश्वविद्यालयों के प्रधान कार्यकारी अधिकारी बताते हुए यहां राजभवन ने रविवार को कहा कि इन संस्थानों के अन्य अधिकारी उनकी (कुलपतियों की) मंजूरी के बिना सरकार से सीधे आदेश नहीं लेंगे, या उन्हें लागू नहीं करेंगे। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल सी वी आनंद बोस द्वारा राज्य के विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति किए जाने को लेकर राजभवन और तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच तकरार जारी रहने के बीच यह निर्देश जारी किया गया है।

राज्यपाल सचिवालय द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है, ''पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय अधिनियमों के अनुसार, कुलपति विश्वविद्यालय का प्रधान कार्यकारी अधिकारी होगा और विश्वविद्यालयों के अन्य सभी प्राधिकारी संबंधित कुलपतियों के निर्देशों के अनुसार कार्य करेंगे।''

परिपत्र में कहा गया है कि कुलपतियों ने विभिन्न अवसरों पर बैठकों के दौरान कुलाधिपति (राज्यपाल) के कार्यालय से कुछ मामलों पर स्पष्टीकरण मांगा था। इसमें कहा गया है कि विशेषज्ञों की कानूनी राय के आधार पर विश्वविद्यालयों के भावी मार्गदर्शन को लेकर स्पष्टीकरण जारी किए जा रहे हैं। इसमें कहा गया है,

''विश्वविद्यालय के अधिकारियों को कुलपतियों द्वारा जारी आदेशों को लागू करना है और उन्हें कुलपति की जानकारी एवं मंजूरी के बिना सरकार से सीधे आदेश लेने या या उन पर अमल करने का अधिकार नहीं है।''

इसमें स्पष्ट किया गया है कि कुलसचिव और अन्य अधिकारियों के पास कुलपति को दरकिनार कर कार्य करने का कोई स्वतंत्र अधिकार नहीं है।

परिपत्र में कहा गया है कि कुलपति के प्रमुख कार्यकारी और अकादमिक प्रमुख होने के नाते अन्य सभी अधिकारियों को विश्वविद्यालय अधिनियम, कानूनों, अध्यादेशों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उनके (कुलपति) कार्यों के निर्वहन में उनकी सहायता करनी है।

पश्चिम बंगाल सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एक विश्वविद्यालय के कुलसचिव की दूसरे विश्वविद्यालय में प्रतिनियुक्ति पर हालिया स्थानांतरण को लेकर इसमें कहा गया है कि अधिकारियों का अंतर-विश्वविद्यालय स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति ''किसी एक पक्ष या प्राधिकरण का एकतरफा किया गया कार्य नहीं हो सकता।''

डुमरी में झामुमो समर्थकों ने भाजपा के दो कार्यकर्ताओं का अपहरण किया : मरांडी

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के समर्थकों ने डुमरी उपचुनाव से पहले उनकी पार्टी के दो कार्यकर्ताओं का अपहरण कर लिया है। वहीं, झामुमो ने आरोपों को खारिज करते हुए इसे 'आधारहीन' करार दिया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि झामुमो के समर्थकों ने गिरिडीह जिले के जरीडीह में मथुरा सोरेन और जयप्रकाश मंडल का कथित तौर पर अपहरण कर लिया है। मरांडी ने आरोप लगाया, ''झामुमो डुमरी उपचुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार की बढ़ती लोकप्रियता से भयभीत हो गई है। राज्य सरकार भय का माहौल बना कर और ताकत के बल पर चुनाव को प्रभावित करना चाहती है।'' मरांडी ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर पुलिस महानिदेशक से बात की है और अपहृत भाजपा कार्यकर्ताओं को मुक्त कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया, ''गांवों में महिलाओं को धमकाया जा रहा है कि अगर वे राजग उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करती हैं तो उनका राशन कार्ड रद्द कर दिया जाएगा।'' मरांडी ने कहा कि शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से मतदान कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ''अगर कोई अवांछित घटना होती है तो इसके लिए राज्य सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार होगी।''

चिदंबरम का दावा : इंफाल घाटी में 'जातीय सफाया पूरा'; केंद्र, राज्य सरकार की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को आरोप लगाया कि मणिपुर की इंफाल घाटी में ''जातीय सफाया पूरा हो गया है'' और कहा कि इस घटनाक्रम से ज्यादा ''शर्मनाक'' कुछ नहीं हो सकता। पूर्व गृह मंत्री ने मीडिया में आई एक खबर का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया कि इंफाल से अंतिम पांच कुकी परिवारों को अधिकारियों ने उनके घरों से ''जबरन हटा दिया।'' चिदंबरम ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''इसका मतलब है कि इंफाल घाटी में जातीय सफाया पूरा हो गया है, जहां मेइती लोगों का दबदबा है।''

चिदंबरम ने कहा, ''एक राज्य सरकार 'जातीय सफाए' का नेतृत्व करती है और केंद्र सरकार का दावा है कि राज्य की सरकार संविधान के अनुसार चल रही है।'' उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम से ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। चिदंबरम ने कहा, ''यह भारत के अराजकता की दिशा में बढ़ने के नए निचले स्तर का प्रतीक है।'' अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में जनजातीय एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद मई की शुरुआत में मणिपुर में जातीय झड़पें हुईं, जिसमें 160 से अधिक लोगों की जान चली गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। मणिपुर की आबादी में मेइती लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। नगा और कुकी 40 प्रतिशत से कुछ अधिक हैं और पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

तेंदुए के हमले में बच्ची की मौत, एक महिला घायल

बहराइच (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर तेंदुओं के हमले की घटना में छह साल की एक बच्ची की मृत्यु हो गई तथा एक महिला घायल हो गयी। वन अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। प्रभागीय वन अधिकारी संजय शर्मा ने रविवार को बताया कि खैरीघाट थाना क्षेत्र के रायगंज गांव में इंद्रसेन सोनकर नामक व्यक्ति के घर उसकी नातिन प्रियांशी (छह) रक्षाबंधन के त्योहार पर आई थी। शनिवार शाम प्रियांशी घर के बाहर खेल रही थी तभी गन्ने के खेत से निकले तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया और उसे खींचकर खेत में ले गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के शोर मचाने पर तेंदुआ जंगल की तरफ भाग गया, लेकिन तब तक प्रियांशी की मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में तेंदुए के हमले की कई घटनाएं हो चुकी हैं और दहशत से बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। शर्मा ने बताया कि तेंदुए के हमले में बालिका की मौत की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर भेजी गयी है। मृत बच्ची के शव को पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की औपचारिकताएं पूरी की जा रही है।

विश्वकप टीम में केएल राहुल नहीं, ईशान किशन को मिलनी चाहिए प्राथमिकता : गंभीर

मुंबई/भाषा। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि विश्वकप टीम में केएल राहुल पर ईशान किशन को प्राथमिकता मिलनी चाहिए और कहा कि अगर कर्नाटक के बल्लेबाज की रोहित शर्मा या विराट कोहली से प्रतिस्पर्धा चल रही होती तो उनके नाम पर विचार तक नहीं किया जाता। किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को एशिया कप मैच में 82 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली थी जो उनका एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार चौथा अर्धशतक है। बारिश के कारण यह मैच पूरा नहीं हो पाया था। किशन ने पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए यह पारी खेली जिससे उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में खुद को राहुल से आगे कर दिया। राहुल चोटिल होने के कारण एशिया कप के शुरुआती मैचों में नहीं खेल रहे हैं। गंभीर ने कहा कि भारत को विश्वकप टीम में नाम की बजाय फॉर्म को प्राथमिकता देनी चाहिए। विश्वकप के लिए भारत की टीम की घोषणा मंगलवार को की जा सकती है। गंभीर में डिजनी हॉटस्टार से कहा,'' मुझे बताइए कि चैंपियनशिप जीतने के लिए क्या महत्वपूर्ण है नाम या फॉर्म। यदि रोहित या विराट ने इस तरह का प्रदर्शन (लगातार चार मैचों में अर्धशतक) किया होता तो क्या तब भी आप यह कहते कि उनकी जगह केएल राहुल को लिया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, जब आप विश्वकप जीतने के लिए तैयारी कर रहे होते हैं तो आप नाम नहीं देखते, आप फॉर्म देखकर उनका आकलन करते हैं।

अनुष्ठान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमरनाथ तीर्थयात्रा 2023 का अंतिम अनुष्ठान शनिवार को पहलगाम में महंत दीपइंद्र गिरि के नेतृत्व में साधुओं और भक्तों की उपस्थिति में लदेर नदी के तट पर आयोजित किया गया।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के पास न तो नेता है और न ही नीति : राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने रविवार को कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के पास न तो 'नेता' है और न ही 'नीति'।

ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर यहां आए केंद्रीय गृह राज्यमंत्री राय ने कहा कि मुंबई में विपक्षी गठबंधन की हुई बैठक केवल पार्टियों और नेताओं का जमावड़ा था जो ''घमंडी हैं, भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं और जो वंशवाद की राजनीति में विश्वास करते हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''ऐसी पार्टियां और नेता एक मंच पर जमा होने का नाटक कर रहे हैं। दूसरी ओर भारत की जनता 2024 के चुनाव में 2019 के मुकाबले बड़ी जीत दिलाकर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए एकजुट है।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुंबई की बैठक में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को संयोजक चुनना था लेकिन उसने विभिन्न पार्टियों के 13 नेताओं की समन्वय समिति बनाई। 'एक देश, एक चुनाव' और संभावित मध्यावधि चुनाव के बारे में पूछे जाने पर राय ने कहा कि अगर संसद के आगामी विशेष सत्र में यह मामला आएगा तो सभी को जानकारी मिल जाएगी।

झारखंड के पलामू में पांच लाख रुपये की नकदी के साथ दो नक्सली गिरफ्तार

मेदिनीनगर/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में रविवार को दो नक्सलियों को पांच लाख रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिले के छत्तरपुर इलाके से इन दोनों को गिरफ्तार किया गया है।

छत्तरपुर के उपसंभागीय पुलिस अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि इलाके में रंगदारी वसूलने के बाद जब दोनों नक्सली अपने स्वयंभू कमांडर नीतीश यादव को पांच लाख रुपये पहुंचाने जा रहे थे तभी उन्हें पकड़ा गया। राज्य सरकार ने कुख्यात नक्सली नीतीश पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा है।

अजय कुमार ने बताया, ''गिरफ्तार माओवादियों से पूछताछ की जा रही है और उनसे मिली जानकारी के आधार पर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।''

'एक देश, एक चुनाव' का विचार भारतीय संघ और इसके सभी राज्यों पर हमला है: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' का विचार भारतीय संघ और इसके सभी राज्यों पर हमला है। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''इंडिया भारत है और यह राज्यों का संघ है।'' उन्होंने कहा, ''एक देश, एक चुनाव का विचार भारतीय संघ और इसके सभी राज्यों पर हमला है।'' गांधी का यह बयान एक साथ चुनाव कराने की संभावना पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में सरकार की ओर से एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने के बाद आया है।

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' पर उच्चस्तरीय समिति का वक्त अत्यधिक संदिग्ध है और इसकी संदर्भ शर्तों ने पहले ही इसकी सिफारिशें निर्धारित कर दी हैं। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर अपने पोस्ट में कहा, ''एक देश, एक चुनाव पर उच्चस्तरीय समिति एक रस्मी कवायद है, जिसका वक्त अत्यधिक संदिग्ध है। इसकी संदर्भ शर्तों ने पहले ही अपनी सिफारिशें निर्धारित कर दी हैं। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने समिति में शामिल होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को समिति में शामिल नहीं करने को लेकर भी निशाना साधा। सरकार ने खरगे की जगह राज्यसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद को समिति में शामिल किया है। सरकार ने लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगर निकायों और पंचायतों के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे पर गौर करने और जल्द से जल्द सिफारिशें देने के लिए शनिवार को आठ सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति की अधिसूचना जारी की।

अधिसूचना में कहा कि समिति की अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे और इसमें गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद और वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एन के सिंह सदस्य होंगे।

'एक देश एक चुनाव' की अवधारणा से आम आदमी को क्या मिलेगा: केजरीवाल

चंडीगढ़/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'एक देश, एक चुनाव' के औचित्य पर रविवार को सवाल उठाते हुए कहा कि इससे आम आदमी को क्या मिलेगा। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में किये गए एक पोस्ट में कहा, ''देश के लिए क्या जरूरी है? एक देश एक चुनाव या एक राष्ट्र एक शिक्षा (अमीर हो या गरीब, सबको एक जैसी अच्छी शिक्षा), एक देश एक इलाज (अमीर हो या गरीब, सबको एक जैसा अच्छा इलाज)। उन्होंने कहा, ''एक देश एक चुनाव से आम आदमी को क्या मिलेगा?'' केंद्र सरकार ने लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे पर विचार करने और जल्द से जल्द सिफारिशें देने के लिए शनिवार को आठ सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति के गठन की अधिसूचना जारी की। केजरीवाल, अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ हरियाणा के भिवानी का दौरा करेंगे। दिल्ली और पंजाब की तरह, आम आदमी पार्टी (आप) हरियाणा में भी मुफ्त और विश्व स्तरीय शिक्षा एवं मुफ्त बिजली मुहैया कराएगी। एक दिन पहले, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बिना किसी का नाम लिए, 'मुफ्त की रेवड़ी' की पेशकश करने के बजाय भाजपा सरकार की आत्मनिर्भरता की प्रतिबद्धता पर जोर दिया था।

एकजुट रहकर 'इंडिया' गठबंधन भाजपा को हराएगा : भारद्वाज

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने रविवार को कहा कि एकजुट बने रहना 'इंडिया' गठबंधन के लिए आसान नहीं होगा, लेकिन अगर वह ऐसा करने में कामयाब रहा तो 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को शिकस्त मिलेगी।

इंडियन स्कूल ऑफ डेमोक्रेसी की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए भारद्वाज ने दावा किया कि कई दल जो भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा हैं, आने वाले दिनों में विपक्षी गठबंधन में शामिल होंगे। हालांकि, भाजपा नेता जयवीर शेरगिल ने दावा किया कि 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपनी 'नफरत' के कारण एक साथ हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल दल कई मुद्दों पर एकमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन बहुत दिन तक नहीं टिकने वाला है। इसके जवाब में भारद्वाज ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में सभी दलों को बलिदान देना होगा। उन्होंने कहा, ''इंडिया गठबंधन के लिए एक साथ रहना आसान नहीं है। लेकिन अगर यह एक साथ रहता है, तो मोदी जी फिर से नहीं आएंगे।'' उन्होंने कहा, ''कई दल जो डर के कारण राजग के साथ हैं, वे जल्द ही इंडिया (गठबंधन) में शामिल हो जाएंगे।''

कुछ स्कूल में छात्रों की अनुपस्थिति गंभीर चिंता का विषय है: बिहार सरकार ने जिलाधिकारियों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार शिक्षा विभाग ने कुछ विद्यालयों में छात्रों की कम उपस्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और इससे निपटने के लिए उचित कारण बताए बिना लगातार 15 दिन अनुपस्थित रहने वाले छात्रों को निष्कासित करने सहित कठोर कदम उठाए जाने का आह्वान किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) के के पाठक ने हाल में सभी जिलाधिकारियों को जारी एक संदेश में उन छात्रों पर नजर रखने की भी सिफारिश की है जो निजी विद्यालयों में पढ़ते हैं, लेकिन उन्होंने पाठ्यपुस्तकों एवं वर्दी के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना का लाभ उठाने की खातिर सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया है। पत्र में कहा गया है, ''राज्य भर के स्कूल में छात्रों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, लेकिन लगभग 10 प्रतिशत स्कूल ऐसे हैं जहां छात्रों की उपस्थिति अब भी 50 प्रतिशत से कम है...यह गंभीर चिंता का विषय है।'' इसमें कहा गया है,''इसके लिए संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) के हस्तक्षेप की आवश्यकता है। सभी संबंधित डीईओ को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे पांच स्कूल का चयन करें और छात्रों की उपस्थिति में सुधार के लिए अनुपस्थित छात्रों के माता-पिता से संवाद करें।'' राज्य में 75,309 सरकारी स्कूल हैं।

जिलाधिकारियों को जारी संवद में कहा गया है, ''...जो छात्र बिना किसी उचित कारण के लगातार 15 दिन तक अनुपस्थित रहते हैं, उन्हें स्कूल से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। इसके अलावा सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर नजर रखी जानी चाहिए। अधिकारियों को यह जांच करनी चाहिए कि छात्र एक ही समय में दो विद्यालयों में तो नहीं पढ़ रहे।''

हरमनप्रीत डब्ल्यूबीबीएल विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में चयनित होने वाली इकलौती भारतीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। हरमनप्रीत कौर महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय है। भारतीय महिला टीम की इस कप्तान को रविवार को यहां मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपनी टीम में बरकरार रखा।

यास्तिका भाटिया, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा सहित कुल 18 भारतीय खिलाड़ियों का नाम डब्ल्यूबीबीएल के शुरूआती विदेशी ड्राफ्ट में शामिल था, लेकिन हरमनप्रीत के अलावा किसी को भी नहीं चुना गया। हरमनप्रीत का नाम 'प्लैटिनम' श्रेणी में था। रेनेगेड्स की टीम उन्हें और वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज को अपने साथ बरकरार रखने में सफल रही। हरमनप्रीत ने 2021-22 सत्र के दौरान रेनेगेड्स के लिए दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 12 पारियों में 58.00 की औसत और 130.96 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए थे, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल थे। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 81 रन था। वह बल्ले के साथ गेंद से भी प्रभावी रहीं और उन्होंने 15 विकेट लिए। इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 रन देकर तीन विकेट रहा। हरमनप्रीत ने 2016-17 में सिडनी थंडर के साथ डब्ल्यूबीबीएल में पदार्पण किया था। हरमनप्रीत के रिटेंशन (टीम में बरकरार रखने) पर रेनेगेड्स के मुख्य कोच साइमन हेल्मोट ने कहा, '' मुझे बहुत खुशी है कि हमें वे दोनों (हरमनप्रीत और हेले) मिलीं और मैं इस साल फिर से उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।'' उन्होंने कहा, '' पहले दौर में हम हरमनप्रीत और हेले में से एक का ही चयन कर सकते थे लेकिन किस्मत अच्छी थी कि हरमनप्रीत दूसरे दौरे में चयन के लिए उपलब्ध थी। ऐसे में अब भी उन्हें 'प्लैटिनम' श्रेणी के खिलाड़ी के तौर पर चुन सकते थे।''

गुकेश भारत का शीर्ष खिलाड़ी बनने के बाद अपने खेल में और सुधार करना चाहते हैं

कोलकाता/भाषा। अपने आदर्श विश्वनाथ आनंद को पछाड़कर भारत के शीर्ष खिलाड़ी बने डी गुकेश ने कहा कि वह अपने खेल में सुधार को निरंतर जारी रखना चाहते हैं।

सत्रह साल के गुकेश ने फिडे विश्व रैंकिंग में आनंद की 37 साल की भारतीय बादशाहत खत्म की। वह एक सितंबर को जारी रैंकिंग में आनंद पर चार अंक की बढ़त से 2754 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गये। आनंद नौवें पायदान पर हैं। एशियाई खेलों के शिविर और एक आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए यहां आए गुकेश ने शनिवार को कहा कि वह हाल ही में विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हारने की निराशा से उबर चुके हैं। गुकेश ने पीटीआई-भाषा को दिये विशेष साक्षात्कार में इस बारे में पूछे जाने पर कहा, ''यह (नुकसान) कुछ समय पहले ही हो चुका है। अब आगे कुछ चीजें हैं और मैं उस पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।'' गुकेश के पास अभी कोई प्रायोजक नहीं है और अपने खेल को जारी रखने के लिए पुरस्कार राशि और 'क्राउड-फंडिंग' की मदद लेते हैं। गुकेश ने कहा कि वह 2021 में वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी से जुड़े और इसके बाद से इस संस्था ने उनकी सफलता में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है।

सुविचार

ज़िन्दगी में ये मायने नही रखता कि आपने ज़िन्दगी को कितना जिया, बल्कि मायने ये रखता है कि आप ज़िन्दगी में कितना खुश रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

काकड़ के सिर आफत

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ के लिए यह कहा जाए तो ग़लत नहीं होगा कि मूंड मुंडाते ही ओले पड़ गए! वे सूट-बूट पहनकर (कार्यवाहक) प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे ही थे कि आफतों की वह बौछार शुरू हो गई, जिसे देखकर वे उस घड़ी को कोस रहे होंगे, जब इस पद की जिम्मेदारी लेने को तैयार हुए थे। पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ उनकी राह में इतने गड्ढे खोदकर गए हैं, जिनमें सरकार की गाड़ी हिचकोले खा रही है। अगर काकड़ इस गाड़ी की चाबी फौज को सौंपकर 'निकल' जाएं तो इसमें अचंभे की कोई बात नहीं होगी! इस समय उन पर जनता का भारी दबाव है। वहां बिजली के बिल इतने ज्यादा आए हैं कि कई लोग तो आत्महत्या कर चुके हैं। जिनके घर में दो बल्ब और दो पंखे हैं, उन्हें भी पचास-पचास हजार रुपए के बिल थमाए गए हैं। मध्यम वर्गीय और निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों के एक लाख से तीन लाख रुपए तक के बिल आए हैं। पाकिस्तानी जनता चाहती है कि उसे राहत मिले, लेकिन काकड़ टालमटोल का रवैया अपना रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई कोई मुद्दा नहीं है, यह तो मीडिया ने शोर मचा रखा है। काकड़ के इस रवैए को फ्रांस में 18वीं सदी की रानी मेरी आंतवानेत से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसके बारे में प्रसिद्ध है कि उसने भूखे किसानों को सलाह दी थी कि अगर आपके पास रोटी नहीं है तो केक खाएं! इससे जनाक्रोश की ऐसी चिंगारी भड़की थी, जिसे दुनिया आज भी याद करती है। काकड़ को भी सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि आज पाकिस्तान में हालात विस्फोटक हो चुके हैं। हालांकि वहां किसी क्रांति की उम्मीद न के बराबर है, लेकिन जब मामला बर्दाश्त से बाहर निकल जाएगा तो वही सबकुछ देखने को मिल सकता है, जो श्रीलंका में हुआ था। श्रीलंका की जनता (तुलनात्मक रूप से ज्यादा) शिक्षित है, इसलिए वहां हालात जल्द काबू में आ गए। अगर पाकिस्तान में ऐसा हुआ तो जनता वह तबाही मचाएगी कि न तो काकड़ कुछ कर पाएंगे और न ही सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनी।

पाक में महंगाई, आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता ... के कारण लोग खासे मायूस हैं। अब तो गिलगित-बाल्टिस्तान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिनमें लोग उन्हें भारत से जोड़ने की मांग कर रहे हैं। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। गिलगित-बाल्टिस्तान समेत पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) में कई जगह पाक सरकार और फौज के खिलाफ प्रदर्शनों में भारत के बेहतर हालात का हवाला दिया जा चुका है, लेकिन इस बार जनता बहुत मुखर होकर यह मांग कर रही है कि उसे भारत में मिलना है, लिहाजा दरवाजे खोल दिए जाएं। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं हो रहा, क्योंकि भारत में खाने-पीने की चीजें सस्ती हैं और बिजली के बिल कम आते हैं, बल्कि अब पीओके की जनता का पाकिस्तान से मोहभंग हो गया है। उसे पाक ने जिस कथित आज़ादी के सपने दिखाए, उनका हकीकत से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं है। वह 'आज़ादी' असल में गुलामी है। जब (पाकिस्तानी) पंजाब, सिंध, बलोचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में हालात बदतर हैं तो पीओके की सुध कौन लेगा? पीओके के लोग तो पाकिस्तान के लिए पराए हैं। पाक जानता है कि एक दिन यह इलाका उसके हाथ से जाएगा, इसलिए मूलभूत सुविधाओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। यहां अक्टूबर 2005 में आए भूकंप के दौरान स्कूलों-अस्पतालों की जो दीवारें क्षतिग्रस्त हो गई थीं, उनकी आज तक मरम्मत नहीं कराई गई। इस सूरत में पाक के पास एक ही दांव बचता है, जिसे आजमाकर वह लोगों को एकजुट करने की कोशिश करता है। वह है- भारत से दुश्मनी। यही 'माल' उसकी फौज बेचती रही है। उसके सैन्य अधिकारियों ने करोड़ों डॉलर बटोरकर आम पाकिस्तानी की आंखों पर आतंकवाद की पट्टी बांधे रखी। अब वे ही आतंकवादी फौज पर धावा बोल रहे हैं। हाल में खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में पाक फौज पर एक आतंकवादी ने आत्मघाती हमला कर 9 जवानों को मार गिराया था। इसी तरह उत्तरी वजीरिस्तान और खैबर जिलों में आतंकवाद की घटनाओं में फौज के एक मेजर समेत तीन जवानों की जान चली गई थी। (पाकिस्तानी) पंजाब प्रांत में आईएसआईएस की पांच महिला आतंकवादी गिरफ्तार हुई हैं। ऐसा लगता है कि काकड़ के शपथग्रहण करते ही पाक के ग्रह-नक्षत्र और कुपित हो गए हैं। ऐसे में वे आम चुनाव तक टिके रह जाएं, यही उनकी बड़ी 'कामयाबी' होगी।

ट्वीटर टॉक

आज बेणेश्वर धाम की इस पावन धरा पर भाजपा की 'परिवर्तन संकल्प यात्रा' की शुरुआत होने जा रही है। डूंगरपुर की धरती हमेशा वीरों की धरती रही है। आदिवासी भाईयों ने महाराणा प्रताप के साथ रहकर वर्षों तक युद्ध करके मुगलों की सेना के दांत खट्टे किए थे।

-अमित शाह

उड़ीसा विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष तथा वरिष्ठ राजनेता श्री सूर्य नारायण पात्रा जी के निधन पर शोक व्यक्त करता हूँ। सूर्य जी ने समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण व लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में अविस्मरणीय कार्य किया। पीड़ा की घड़ी में परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

-ओम बिरला

कांग्रेस सरकार सिर्फ लोगों के बीच भ्रम पैदा करती है। इमरजेंसी लगाने से लेकर संस्थाओं के दुरुपयोग तक संविधान तोड़ने व देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने का काम कांग्रेस ने किया। भाजपा सदैव आदिवासी व पिछड़ों के सम्मान की लड़ाई लड़ी हैं।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

अनूठी उदारता

एक समय कलकत्ता भ्रमण पर निकले एक व्यक्ति को मार्ग में एक दुखी वृद्ध व्यक्ति दिखाई दिया। व्यक्ति ने चिंतामग्न वृद्ध से पूछा, 'आपको क्या कष्ट है?' लेकिन वह चुप रहा। व्यक्ति ने फिर सहानुभूति के साथ विश्वास में लेते हुए वृद्ध से कहा कि शायद मैं आपकी कुछ मदद कर सकूं। बूढ़ा बोला, 'मैं एक गरीब ब्राह्मण हूं। मैंने बेटी के विवाह के लिये साहूकार से कर्ज लिया, लेकिन चुका न सका। अब साहूकार ने कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। अब मुझे भय है कि पुलिस मुझे गिरफ्तार कर लेगी। समझ में नहीं आ रहा है क्या करूं।' व्यक्ति ने ब्राह्मण से उसका पता और जिस अदालत में मुकदमा किया गया था उसका पता, मुकदमे की तारीख आदि पूछी। मुकदमे की तारीख पर ब्राह्मण सहमा हुआ अदालत पहुंचा और अपना नाम पुकारे जाने की भय से प्रतीक्षा करने लगा। जब देर तक पुकार नहीं हुई तो उसने अदालत कर्मियों से अपने मुकदमे के बारे में पूछा। कर्मचारियों ने बताया कि किसी ने उसके ऋण की सारी रकम जमा कर दी है और मुकदमा खारिज हो गया है। उसे पूछताछ पर पता चला कि कर्ज चुकाने वाला व्यक्ति वही था जो कलकत्ता की सड़क पर उसे मिला था।

सामयिक

आज बाजारीकरण के युग में सच्चा शिक्षक होना आसान नहीं

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 082374 17041

शिक्षक को समाज में माता-पिता समान ईश्वर का रूप माना जाता हैं। शिक्षक त्याग, समर्पण और न्याय की वह मशाल हैं, जो स्वयं जलकर विद्यार्थियों को यश मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रकाशमान होती है। एक सच्चे शिक्षक में मुख्यतः गुण विषयतज्ञ, कौशलपूर्ण, मार्गदर्शक, दूरदर्शी, शोधकर्ता, विश्लेषक, मृदुभाषी, सहकारी, अनुशासित, समयनिष्ठ, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित, परोपकारी और मेहनती होते है। शिक्षक सर्वदा घृणित व्यवहार, लालच, अभिमान, दिखावा, नशा और भ्रष्टाचार से दूर रहकर, कठिन परिस्थितियों में भी हार न मानकर हमेशा समाज में नयी पीढ़ी को आदर्श रूप देने के लिए ऊर्जावान बने रहते है। सच्चा शिक्षक जात-पात, धर्म, रंग, ऊंच-नीच, लिंगभेद जैसे विचारों से अलिप्त रहकर अपने विद्यार्थियों को एक समान दृस्टी से देखता हैं जैसे माँ अपने सभी बच्चों को एक समान देखती है। देश में, समाज में, दुनिया में शिक्षक बेहद जिम्मेदारी का पद हैं, शिक्षक पर नई पीढ़ी को कर्तव्यदक्ष सुजान नागरिक में परिवर्तित करने की कला होती हैं। शिक्षक के कला-गुणों पर ही देश का उज्ज्वल भविष्य तैयार होता हैं, और यही हैं एक सच्चे शिक्षक की पहचान।

आज समाज में आपराधिक वृत्ति काफी तेजी से बढ़ी हैं, स्कूली बच्चें से लेकर महाविद्यालयीन किशोर गंभीर अपराधों में लिप्त नजर आते हैं, सभ्यताओं, मूल्यों, मान, संस्कारों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती है, आज हम खूब सुशिक्षित हो रहे हैं लेकिन सुसंस्कृत क्यों नहीं? हर ओर शिक्षा का व्यापारीकरण नजर आता है। आज के आधुनिक समय में शहरों और महानगरों में स्कूल का नाम ब्रांड बन गया हैं, सभी अभिभावक नामी निजी स्कूलों में ही अपने बच्चो को पढ़ाना चाहते हैं, तो फिर यह प्रश्न चिन्ह तैयार होता हैं कि सर्वोत्तम स्कूली शिक्षा के बावजूद बच्चों को बाहर कोचिंग सेंटर क्यों भेजा जाता हैं? बेहतर निजी शिक्षा संस्थान में बच्चों को पढवाने के बावजूद बच्चों को प्रथम कक्षा से ही ट्यूशन लगवाना जरुरी समझा जाता है। विद्यार्थियों के ड्रेस, किताबें, कॉपियां, स्टेशनरी, बैग अर्थात सब शिक्षा संबंधी साहित्य खरीदारी के नियम भी पहले से तय होते हैं और वर्षभर अलग-अलग एक्टिविटीज-इवेंट अलग से चलते रहते हैं।

आबादी के मामले में विश्व में अग्र क्रम पर तथा सबसे अधिक शिक्षासंस्थानों में तीसरे क्रमांक पर हमारा भारत देश है, फिर भी हर साल बड़ी संख्या में हमारे देश के लाखों विद्यार्थी पढ़ाई करने विदेश जाते है, साथ ही बड़ी मात्रा में देश का धन भी बाहर जाता है। गुणवत्ता की बात करे तो विश्वस्तर पर शीर्ष के शिक्षा संस्थानों में भारत का नाम नदारद है। यूनेस्को की शिक्षा रिपोर्ट 2021 अनुसार, देश में 1 लाख स्कूल सिर्फ 1 शिक्षक के भरोसे चलते हैं। देश के स्कूलों में 11.16 लाख पद रिक्त हैं, जिनमें से 69 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जबकि देश में उच्च शिक्षित बेरोजगारों की संख्या तेजी से बढ़ी हैं। शिक्षा विभाग क्षेत्र में अक्सर घोटालों की गूंज सुनाई देती हैं। कहाँ, किस पद का, किस काम का, कितना रेट तय है? यह उस क्षेत्र से संबंधी लोगों को पता होता हैं, लेकिन सब अपने फायदे के हिसाब से या डर से आँखे मूंदकर रहते हैं। अन्याय और भ्रष्टाचार करके अगर शिक्षक नौकरी पाता है, अनुचित कार्य करता है, तो वह कैसे अपने पद से न्याय कर पायेगा? और कैसे वह आदर्श पीढ़ी का शिल्पकार कहलायेगा?

जिन निजी शिक्षा संस्थानों का नाम मशहूर हैं वहां शिक्षक कर्मचारियों का वेतन तो भी ठीक-ठाक हैं क्योंकि उन्हें अपना स्तर बनाए रखना हैं, परंतु अधिकतर संस्थानों में तो शिक्षक दिहाड़ी मजदुर से भी कम वेतन पर काम करता हैं। इस महंगाई के दौर में कई शिक्षकों का अत्यल्प वेतन पर कार्य करना, उनका जीना मुश्किल बनाता हैं, तो कही शिक्षकों को महीनों तक बिना वेतन कार्य करवाया जाता है, तो कई राज्यों में बरसों से नहीं अपितु दशकों से शिक्षकों की नई भर्तियां ही नहीं हुई है। अनेक शिक्षा-संस्थानों में योग्यतापूर्ण शिक्षक तक नहीं, फिर भी पढ़ाते हैं। कई लोगों के जीवन का सबसे कीमती समय इसी तरह बर्बाद हो जाता हैं, जिसका उनके पूरे जीवन पर बुरा असर पड़ता है। शिक्षक जैसे पवित्र पद को कलंकित करने वाली अनेक खबरें आजकल देखने-सुनने को मिलती है, जो इंसानियत को भी शर्मसार कर देती है। ऐसे ये शिक्षक नहीं, समाज के भक्षक है, जो शिक्षक के मूल परिभाषा से अनभिज्ञ होकर ये शिक्षक के पद की गरिमा को धूमिल करते है। आज बढ़ती सामाजिक समस्याओं में भ्रष्टाचार, लालफीताशाही, अत्याचार, अपराध, स्वार्थवृत्ति, नशाखोरी, मिलावटखोरी, प्रदूषण, कामचोरी, झूठ, जालसाजी, संस्कारहीन व्यवहार इन सभी समस्याओं का मूल कारण लोगों द्वारा नियमों की अवहेलना और लापरवाही है, जो काफी हद तक उस व्यक्ति की शिक्षा और संस्कार पर सवाल उठाता है। कोई भी बचपन से ही अपराधी के रूप में जन्म नहीं लेता है, बच्चें कच्चे मिट्टी के घड़े से होते है, शिक्षक उन्हें जैसा बनाएंगे विद्यार्थी वैसा बन जायेंगे, माना कि बच्चों पर समाज और परिवार का प्रभाव भी होता है लेकिन मुख्य मार्गदर्शक की भूमिका में शिक्षक ही होता है। आज के इस व्यापारीकरण के युग में शिक्षक को आत्मचिंतन की बेहद आवश्यकता हैं, क्योंकि शिक्षक के कला-गुणों पर ही देश का आनेवाला कल निर्भर है। ऐसा भी नहीं है कि अब शिक्षक समाज सुधारक के रूप में नजर नहीं आते, कम ही सही लेकिन कई शिक्षक सच्चे समाजसुधारक बनकर आज भी विपरीत परिस्थितियों से मुकाबला कर समर्पण की भावना से विद्यार्थियों में शिक्षा की ज्योत प्रज्वलित करने के लिए संघर्ष कर रहे है।

ऐसे अनगिनत महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने देश की जनता की समस्याओं को अपनी समस्या समझकर देश व समाज की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, जिसमें शिक्षा का क्षेत्र भी प्रमुख हैं। देश में महिला शिक्षा की पहली लौ जलानेवाले महान समाज सुधारक सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले थीं, जिन्होंने महिला शिक्षा को सफल बनाने के लिए कई कठिनाइयों से संघर्ष किया, सावित्रीबाई फुले को भयंकर सामाजिक विरोध का सामना करना पड़ा। लोग उन पर कीचड़, पत्थर, गोबर फेंकते थे, मारते थे, गालियां देते थे, श्राप देते थे, तिरस्कार और घृणा की दृष्टि से देखते थे। इतने असहनीय अत्याचारों के बावजूद उन्होंने ज्योतिबा फुले की मदद से लड़कियों के लिए देश का पहला स्कूल खोला, नारी शक्ति सदैव उनकी ऋणी रहेगी। आज के समय में सच्चा शिक्षक बनना आसान नहीं है, उसके लिए शिक्षा-संस्कार की अग्नि में तपना पड़ता हैं, देश, समाज के विकास के लिए समाजसुधारक की भूमिका निभानी होती हैं, सच्चा शिक्षक कभी भी पहले खुद के बारे में नहीं अपितु विद्यार्थियों के विकास के बारे में सोचता है। आज समाज में कितने शिक्षक हैं जो महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, साने गुरूजी जैसा संघर्ष करके समाज में फैली बुराइयों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने के लिए तत्पर हैं और आदर्श पीढ़ी के के शिक्षक कहलाने के काबिल है। आज हमारे समाज में ऐसे कितने मेहनती शिक्षक हैं जो अपने निस्वार्थ कर्तव्य और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज की बुराइयों से लड़ सकते हैं, और जो लड़ सकते हैं, वहीं सच्चे शिक्षक है।

मंथन

सज गया चुनाव का मैदान

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

आगामी लोकसभा चुनाव का मैदान सज गया है। सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपने अपने चुनावी हथियार संभाल लिए है। देश के अधिकांश राज्यों में एनडीए और इंडिया गठबंधनों के बीच सीधे मुकाबले के आसार है। विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A- और सत्ता पक्ष के गठबंधन NDA के बीच जंग तेज हो गई। उड़ीसा, तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब और यूपी जैसे प्रदेशों में त्रिकोणात्मक संघर्ष की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। एक तरफ भाजपा के नेतृत्व में 38 पार्टियों का एनडीए है। दूसरी तरफ 26 पार्टियों का इंडिया गठबंधन है। 2024 का मुकाबला एनडीए बनाम इंडिया का है। 2019 में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए को 45 फीसदी वोट मिले थे। जिसमें अकेले भाजपा का वोट 37.6 फीसदी था। दूसरी ओर कांग्रेस के साथ मुंबई में जिन पार्टियों की बैठक हुई उन सबको मिला कर कुल वोट 38 फीसदी के करीब यानी भाजपा के बराबर मिला था। यानी अकेले भाजपा बैठक में शामिल विपक्ष की सभी पार्टियों पर भारी है। वर्तमान लोकसभा में एनडीए के पास 332 और इंडिया के पास 141 सांसद है। शेष सांसद निर्गुट बताये जाते है। मुंबई में संपन्न इंडिया की बैठक में शामिल सभी दल एकजुटता का दावा कर कर रहे हे । मगर ये लोग अभी तक अपना कोई सर्वसम्मत नेता का चयन नहीं कर सके है जो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला कर सके। इंडिया ने कुछ कमेटियों का गठन जरूर किया है जो नाकाफी है। प्रधानमंत्री कैंडिडेट के अभाव में फिलहाल कोई प्रगति नहीं हुई है। विपक्षी दलों के गठबंधन का कोई अध्यक्ष या संयोजक भी नहीं बन पाया है। इंडिया के मंच पर राहुल गाँधी द्वारा अदाणी का मामला उठाने से ममता जैसे कुछ नेता नाराज बताये जाते है। हिंदी पट्टी के राज्यों- खास कर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और दिल्ली में भाजपा अपनी ताकत के दम पर लड़ेगी।जबकि बिहार, बंगाल, तमिलनाडु और कर्नाटक में इंडिया अपनी ताकत बढ़ा रहा है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड और कर्नाटक में कांग्रेस और भाजपा की सीधी लड़ाई है। एनडीए में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी , लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास पासवान), अपना दल (सोनीलाल), एआईएडीएमके, नेशनल पीपुल्स पार्टी, नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी, नागा पीपुल्स फ्रंट, मिजो नेशनल फ्रंट सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले), असम गण परिषद, पट्टाली मक्कल काची, तमिल मनीला कांग्रेस,यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, जननायक जनता पार्टी, प्रहार जनशक्ति पार्टी, राष्ट्रीय समाज पक्ष जन सुराज्य शक्ति पार्टी कुकी पीपुल्सअलायंस, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (मेघालय), हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, निषाद पार्टी ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा जन सेना पार्टी हरियाणा लोकहित पार्टी भारत धर्म जन सेना ,केरल कामराज कांग्रेस पुथिया तमिलगम और गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट शामिल है। इंडिया में कांग्रेस सहित, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ,टीएमसी, जनता दल (यूनाइटेड) ,समाजवादी पार्टी जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ,इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) , कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी ,विदुथलाई चिरुथिगल काची केरल कांग्रेस (एम) राष्ट्रीय जनता दल राष्ट्रीय लोक दल अपना दल (कामेरावादी ,पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन ,ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक मरुमलारची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम कोंगुनाडु मक्कल देसिया काची, मनिथानेया मक्कल काची और केरल कांग्रेस (जोसेफ)सम्मिलित है। इसके अलावा बीजू जनता दल, बहुजन समाज पार्टी भारत राष्ट्र समिति वाईएसआर कांग्रेस पार्टी तेलुगु देशम पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन शिरोमणि अकाली दल जनता दल (सेक्युलर) इंडियन नेशनल लोक दल अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम बोडोलेंड पीपुल्स फ्रंट गोंडवाना गणतंत्र पार्टी गोरखा जनमुक्ति मोर्चा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ केरल कांग्रेस (एम) मक्कल निधि मय्यम सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट तथा तियोरा मोथा जैसी पार्टियां किसी गठबंधन में नहीं है।

चिंतन

राष्ट्रीय हित का कदम है एक साथ चुनाव

सुरेश हिन्दुस्थानी
मोबाइल : 9770015780

वर्तमान में भारत में ऐसे कई कारण हैं, जो राष्ट्रीय विकास में बाधक बन रहे हैं। इसमें एक अति प्रमुख कारण बार-बार चुनाव होना है। देश में होने वाले चुनावों के दौरान लगने वाली आचार संहिता के चलते सरकार का कामकाज भी प्रभावित होता है। हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव के प्रक्रिया चलती रहती है। चुनाव के दौरान संबंधित सरकार कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल हर साल केवल चुनाव जीतने की योजना ही बनाते रहते हैं। इस कारण देश के उत्थान के बारे में योजना बनाने या सोचने का उतना समय भी नहीं मिल पाता, जितना सरकार का कार्यकाल होता है। इसलिए वर्तमान में जिस प्रकार से एक साथ चुनाव कराने की योजना पर मंथन चल रहा है, वह देश को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का एक अभूतपूर्व कदम है।

अभी केंद्र सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में प्राथमिक कदम उठाकर प्रक्रिया प्रारंभ करदी है। इसके लिए एक समिति भी बनाई है, जो देश के राजनीतिक दलों और आम जनता से इसके हित और अनहित के बारे में विमर्श करेगी। जब सब ओर से सकारात्मक रुझान मिलेगा, तब यह धरातल पर उतारा जाएगा। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या एक साथ चुनाव कराया जाना उचित है? यकीनन इसका उत्तर यही होगा कि यह ठीक कदम है। लेकिन देश में कुछ राजनीतिक दल संभवतः इसकी गंभीरता को समझ नहीं पा रहे हैं। इस कदम को संकुचित राजनीति के भाव से देख रहे हैं। अगर यह देशभाव के दृष्टिकोण से देखेंगे तो हमें यह कदम अच्छा ही लगेगा।

वर्तमान में केन्द्र सरकार, चुनाव आयोग इस बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन कर रहा है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने एक बार अपने अभिभाषण में भी एक साथ चुनाव कराए जाने पर जोर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा था कि बार-बार होने वाले चुनावों से विकास में बाधा आती है, ऐसे में देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ चुनाव कराने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। सच कहा जाए तो एक साथ चुनाव कराया जाना राष्ट्रीय चिंता का विषय है, जिसे सभी दलों को सकारात्मक दृष्टि से लेना होगा। हम यह भी जानते हैं कि देश के स्वतंत्र होने के पश्चात लम्बे समय तक एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चली, लेकिन कालांतर में कई राज्यों की सरकारें अपने कार्यकाल की अवधि को पूरा नहीं कर पाने के कारण हुए मध्यावधि चुनाव के बाद यह क्रम बिगड़ता चला गया और चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। इसके कारण देश में सरकारी कामकाज की प्रक्रिया तो बाधित होती ही है, साथ ही सरकारी कामकाज को लेकर सक्रिय रहने वाले सरकारी अधिकारी और आम जनता भी ऐसी बाधाओं के चलते निष्क्रियता के आवरण को ओढ़ लेते हैं। यह भी काम में रुकावट का कारण बनती है। इन सभी कारणों के निदान के लिए देश में एक साथ चुनाव कराने के विषय पर सभी राजनीतिक दलों के बीच संवाद बढ़ना चाहिए और इस बारे में आम सहमति बनायी जानी चाहिए।

केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल इस बारे में क्या राय रखते हैं, यह अभी तक सामने नहीं आ पाया है। हालांकि देश हित के मुद्दे पर विपक्षी राजनीतिक दलों को भी इस बारे में सरकार के रुख का पूरी तरह से समर्थन करना चाहिए। एक साथ चुनाव होने से देश में विकास की गति को समुचित दिशा मिलेगी, जो बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि देश में बार-बार चुनाव होने से जहां राजनीतिक लय बाधित होती है, वहीं देश को आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता है। इसलिए एक साथ चुनाव कराए जाने के अच्छे विचार को कैसे अमल में लाया जा सकता है, इसके बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन करना चाहिए। यह कठिन कार्य नहीं हैं, क्योंकि दुनिया के कई देशों ने भी इस प्रकार की नीतियां बनारइं हैं, जिसके अंतर्गत एक साथ चुनाव कराए जाते हैं और वे देश विकास के पथ पर निरंतर रुप से आगे बढ़ते जा रहे हैं, जब ऐसा विदेशों में हो रहा है और भारत में भी ऐसा होता रहा है, तब अब भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता। भारत में ऐसा होना ही चाहिए।

मोदी सरकार ने देश की स्थिति को सुधारने के लिए कई अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। सरकार ने जो नोट बंदी की थी, उसमें भले ही विपक्षी राजनीतिक दलों ने आलोचना की, लेकिन इसके बाद मोदी सरकार की ख्याति बढ़ती चली गई और लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को अपेक्षा से ज्यादा सफलता मिली है। यानी साफ शब्दों में कहा जाए तो यही कहना समुचित होगा कि जो कदम विपक्षियों को खराब लगा, वह देश की जनता की नजर में एक दम सही था। मोदी सरकार का एक साथ चुनाव कराने का कदम भी कुछ ऐसा ही है, जिसकी विपक्षी दल तो आलोचना करेंगे ही, लेकिन जनता निश्चित रुप से इसे सही कदम मानकर इसका समर्थन ही करेगी। अगर देश में लोकसभा और राज्यों के चुनाव एक साथ होने पर राजनीतिक दलों की सहमति बनती है तो इससे आम जनता को राहत ही मिलेगी, लेकिन सरकार विरोधी राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस पर क्या कहेंगे। हालांकि देश में जनहित के साथ ही राष्ट्रीय हितों के प्रति सबको समर्थन देना ही चाहिए, क्योंकि राष्ट्रीय हित से बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

परीक्षा

पटना में रविवार को संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) परीक्षा देने के बाद अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते हुए।

'बेटों को तरजीह दिये जाने से चीन में बेटियां हो रही हैं शोषित एवं उत्पीड़ित'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लैंकेस्टर। चीन में लैंगिक संकट है। देश में महिलाओं की तुलना में पुरूष बहुत अधिक हैं, वर्ष 2022 में महिलाओं की संख्या 69 करोड़ थी जबकि पुरूषों की संख्या 72.2 करोड़ थी। इसकी काफी हद तक वजह लिंग आधारित गर्भपात है जिसका संबंध 'एक संतान नीति' से है। यह नीति 2015 में खत्म हो चुकी है। वैसे तो यह आम धारणा है कि इस नीति को कड़ाई से लागू किया गया लेकिन कई चीनी दंपती जुर्माना भरकर और लाभ से वंचित रहने के प्रावधान को स्वीकार कर एक से अधिक बच्चे रखने में कामयाब रहे। इसके लिए कइयों ने अल्पसंख्यक जातीय समूह का सदस्य होने का भी दावा किया। अक्सर उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनकी पहली संतान बेटी थी। एक संतान नीति करीब साढ़े तीन दशक तक रही जिसके बाद उसके स्थान पर 2016 में दो संतान नीति आ गयी। फिर 2021 में तीन संतान नीति ने उसकी जगह ले ली। आज भी यह धारणा बनी हुई है कि बेटियों से अधिक बेटों का मोल है। पारंपरिक रूप से पुरूष उत्तराधिकारी परिवार के खून के रिश्ते और उपनाम की निरंतरता के लिए आवश्यक माना जाता है। दूसरी तरफ, महिलाएं खानदान से बाहर दूसरे परिवार में ब्याही जाती है जहां उनपर अपने ससुरालवालों की देखभाल करने और बेटे पैदा करने का दायित्व होता है। लेकिन कुछ परिवारों में बेटियों से आर्थिक सहयोग की आशा की जाती है, भले ही वहां बेटे भी क्यों न हो। इस सांस्कृतिक व्यवस्था ने युवतियों के कल्याण को प्रभावित किया है । अब उनमें से कई युवतियां बेटे को तरजीह दिये जाने के फलस्वरूप वित्तीय, श्रम और भावनात्मक ढंग से उत्पीड़न की शिकार हो रही हैं। हाल के वर्षों में लोकप्रिय टेलीविजन सीरीज-- 'ओडे टू जॉय 'टूटी कड़ी, 'ऑल इज वेल' और 'आई विल फाइंड यू बेटर होम' से पारिवारिक भेदभाव और समसामयिक चीनी समाज में बेटियों के साथ अब भी हो रहे बुरे बर्ताव की ओर फिर से ध्यान खींचा है।

'भाजपा ने दूरदर्शी नेतृत्व की प्रशंसा की, विपक्ष ने महंगाई पर सवाल उठाए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। जी20 शिखर सम्मेलन से पहले साथ एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कही गई बातों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्ष के बीच रविवार को तीखी नोकझोंक हुई। सत्तारूढ़ दल भाजपा के नेताओं ने देश के लिए मोदी के दृष्टिकोण की सराहना की जबकि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के दलों ने ''बढ़ती'' महंगाई और बेरोजगारी पर सवाल उठाए। साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि 'सबका साथ-सबका विकास' मॉडल विश्व के कल्याण के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हो सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि दुनिया का जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण, अब मानव-केंद्रित दृष्टिकोण में बदल रहा है। मोदी ने अपने लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर पिछले सप्ताह आयोजित एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा, ''जीडीपी का आकार चाहे जो भी हो, हर आवाज मायने रखती है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''देश में एक स्थिर सरकार है, अनुकूल नीतियां हैं और सरकार की कुल दिशा को लेकर स्पष्टता है। इस स्थिरता की ही वजह से पिछले नौ साल में कई सुधार लागू किए जा सके हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुझे यकीन है कि 2047 तक हमारा देश विकसित देशों में शुमार होगा। हमारे गरीब पूर्ण रूप से गरीबी के खिलाफ लड़ाई जीतेंगे। स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र के बदलाव दुनियाभर में सबसे अच्छे होंगे। भ्रष्टाचार, जातिवाद और सांप्रदायिकता का हमारे राष्ट्रीय जीवन में कोई स्थान नहीं होगा।''

मोदी की टिप्पणी पर सत्ता पक्ष और विपक्षी नेताओं की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आईं। प्रधानमंत्री मोदी की इस टिप्पणी कि 'भारत जल्द ही विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में आने वाला है' पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, ''किसी के मन में कोई संदेह नहीं है कि पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत और भारत की जी20 अध्यक्षता वैश्विक मंच पर देश के उत्थान में बड़े मील के पत्थर हैं।'' केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिभाओं का उपयोग इस तरह से करना सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि इसका लाभ देश के 140 करोड़ लोगों को मिले। मोदी की इस टिप्पणी पर कि 'भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा', भाजपा नेता अनिल एंटनी ने कहा कि आजादी के बाद के 67 वर्षों की तुलना में पिछले नौ वर्षों में भारत में बहुत कुछ हुआ है।

काकर ने नौ मई की हिंसा को 'तख्तापलट की कोशिश' बताया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों द्वारा नौ मई को की गई हिंसा को ''तख्तापलट और गृहयुद्ध का प्रयास'' करार दिया है। स्थानीय मीडिया की खबरों में रविवार को यह जानकारी दी गई। हालांकि, काकर ने इस बात से इनकार किया कि हिंसा के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई करने के पीछे बदला लेने का मकसद है। अर्धसैनिक बल रेंजर्स द्वारा इमरान खान की गिरफ्तारी किए जाने के बाद नौ मई को हुई हिंसा के दौरान रावलपिंडी में सेना मुख्यालय सहित दर्जनों सैन्य प्रतिष्ठानों और सरकारी इमारतों पर हमला कर दिया गया था।

विपक्षी गठबंधन का नाम बदलने से 'सनातन धर्म' के प्रति नफरत नहीं छिप सकती : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन की 'सनातन धर्म' के खिलाफ टिप्पणी को लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी गठबंधन का महज नाम बदलने से 'भारत' और उसकी समृद्ध संस्कृति के प्रति उसके मन में मौजूद नफरत को छुपाया नहीं जा सकता। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने 'एक्स(पूर्व में ट्विटर)' पर कहा, ''संप्रग से घमंडिया में नाम परिवर्तन इस सच्चाई को नहीं छिपा सकता है कि भ्रष्ट लोगों के इस अपवित्र गठबंधन ने भारत, इसकी समृद्ध संस्कृति और समन्वयात्मक सनातन धर्म से नफरत करना बंद नहीं किया है, जो सदियों से देश को जोड़ता रहा है।'' ठाकुर की प्रतिक्रिया तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा है कि 'सनातन धर्म' समानता और सामाजिक न्याय के खिलाफ है तथा इसका उन्मूलन कर दिया जाना चाहिये । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने 'सनातन धर्म' की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू बुखार से की। ठाकुर ने कहा, ''यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्रमुक या घमंडिया गठबंधन की कोई अन्य पार्टी हिंदुओं और सनातन धर्म के खिलाफ इस हद तक नफरत रखती है कि इसकी तुलना 'डेंगू' और 'मलेरिया' से कर रही है और दूसरों को सनातन धर्म को खत्म करने के लिए उकसा रही है।''

भाजपा विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को 'घमंडिया' कहती है। पार्टी का कहना है कि यह भाई-भतीजावाद की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए 'स्वार्थ से भरा' गठबंधन है। ठाकुर ने कहा, ''घमंडिया गठबंधन समाज और राष्ट्र को तोड़ने की हद तक धर्मनिरपेक्षता के एक सड़े हुए और अत्यधिक विघटित स्वरूप का प्रतिनिधित्व करता है।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे उदाहरण घमंडिया गठबंधन शासित राज्यों जैसे बिहार, पश्चिम बंगाल आदि में सुस्पष्ट हैं, जहां शांतिपूर्ण रामनवमी जुलूसों पर राज्य प्रायोजित हमलों में कई निर्दोष लोग मारे गए हैं।''

पर्यटकों को लुभाने के लिए 'विदेशी पर्यटक कार्ड' लाएगा मॉस्को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को। मॉस्को शहर की पर्यटन समिति दुनियाभर के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई कदम उठा रही है। रूस सरकार भुगतान संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए एक वर्चुअल 'विदेशी पर्यटक कार्ड' लाने की भी योजना बना रही है, जिससे विभिन्न सेवाओं के लिए नकदी-रहित भुगतान किया जा सकेगा। कोविड-19 महामारी के दौरान मॉस्को आने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई थी। हालांकि, मॉस्को आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि देखी जा रही है और ई-वीजा जैसे पर्यटक-अनुकूल कदमों से आगामी कुछ महीनों में इस संख्या में बढ़ोतरी की संभावना है।

'खुशी' फिल्म की टीम ने यादाद्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में की पूजा-अर्चना

हैदराबाद/वार्ता

तेलुगू की हाल ही में सुपरहिट हुई फिल्म 'खुशी' की टीम रविवार को यादाद्रि भुवनगिरी जिले में यादाद्रि लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए एकत्रित हुई। फिल्म 'खुशी' की शानदार सफलता के बाद फिल्म की टीम ने स्वामी का आशीर्वाद मांगा गया। फिल्म के अभिनेता विजय देवरकोंडा, निर्देशक शिव निर्वाण और निर्माता नवीन येरनेनी और वाई रविशंकर ने अपने परिवार के के साथ यादाद्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के दर्शन किए। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, अभिनेता विजय देवरकोंडा ने अपनी फिल्म 'खुशी' की अपार सफलता के लिए दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विजय देवरकोंडा ने कहा,हमारी फिल्म को मिली उल्लेखनीय सफलता के बाद, हमारी पूरी टीम यादाद्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए एक परिवार की तरह इकट्ठा हुई। हम यदाद्री मंदिर को वैश्विक मान्यता प्रदान करने के लिए तेलंगाना सरकार की सराहना करते हैं। निर्देशक शिवा निर्वाण, निर्माता वाई रविशंकर और नवीन येरनेनी ने को यादाद्री मंदिर की भव्यता बढ़ाने के लिए तेलंगाना सरकार को धन्यवाद दिया।

करीना कपूर की फिल्म 'जाने जान' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर की आने वाली फिल्म 'जाने जान' का पोस्टर रिलीज हो गया है। करीना कपूर फिल्म 'जाने जान' से ओटीटी प्लेटफार्म पर डेब्यू कर रही हैं। जाने जान' का टीजर हाल ही रिलीज हुआ था। अब फिल्म 'जाने जान' का पोस्टर रिलीज हो गया है। करीना कपूर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'जाने जान' का फर्स्ट पोस्टर जारी किया है। इसे शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, रोमांच बस आने ही वाला है और यह 3 दिनों में आपके पास आ रहा है।'जाने जान' का ट्रेलर 5 सितंबर को रिलीज किया जाएगा। जाने जान को सुजॉय घोष के निर्देशन में बनाया गया है। इस फिल्म की कहानी एक जापानी उपन्यास 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' से ली गई है।

काजल राघवानी और रितु सिंह स्टारर भूलभुलैया का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

अभिनेता गौरव झा, अभिनेत्री काजल राघवानी और रितु सिंह स्टारर भूलभुलैया का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मैडज़ मूवीज़ एंड वर्ल्ड वाइड फिल्म प्रोडक्शनस प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म भूलभुलैया का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। यह फिल्म हॉरर कॉमेडी जॉनर की है। इसके निर्माता प्रदीप सिंह, समीर आफताब, प्रतीक सिंह और निर्देशक अजय कुमार झा हैं। वहीं, फिल्म को लेकर निर्माता प्रदीप सिंह ने कहा कि फिल्म भूलभुलैया भोजपुरी के दर्शकों के लिए बेजोड़ मनोरंजन प्रस्तुत करेगी। हमने शानदार फिल्म बनाई है। अब दर्शकों के दरबार में इस फिल्म को जल्द ही रिलीज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि फिल्म भूलभुलैया में गौरव झा, काजल राघवानी, रितु सिंह के साथ अनीता रावत, संजय पांडेय, प्रेम दुबे, रिंकू भारती, विनोद मिश्रा, ब्रिजेश त्रिपाठी, ललित उपाध्याय मुख्य भूमिका में हैं। कहानी, पटकथा और संवाद: सभा वर्मा का है। संगीतकार मधुकर आनंद और गीतकार प्यारे लाल यादव, फणींदर राव, संदीप साजन और धरम हिंदुस्तानी हैं।

जैकलीन वेनिस फिल्म फेस्ट में इटालियन पवेलियन के पैनल चर्चा में हुईं शामिल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने हाल ही में वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के चल रहे संस्करण में इटालियन पवेलियन के पैनल चर्चा में भाग लिया। यह चर्चा 'नए मीडिया समय में नई छवि, नई जीवनशैली और सिनेमा' विषय पर केंद्रित थी। इटालियन पवेलियन कार्यस्थल उद्योग के रुझानों की पहचान करने और वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ पारिस्थितिकी तंत्र का कुशलतापूर्वक समर्थन करने के उद्देश्य से सम्मेलनों और व्यावसायिक बैठकों की मेजबानी करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए 'हाउसफुल 3' अभिनेत्री ने कहा : मैं इटालियन पवेलियन के पैनल चर्चा का हिस्सा बनकर अभिभूत हूं। यह सिनेमा, जीवनशैली और डिजिटल युग के मिश्रण को समझने का एक शानदार मौका है।'' उन्होंने आगे उल्लेख किया : मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि आज की दुनिया में हर किसी के पास अपनी कहानी को कैद करने की क्षमता है, और प्रौद्योगिकी ने इस क्षमता को कैसे बढ़ाया है, इस पर अपने विचार साझा करने में मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। जैकलीन को अब से पहले अक्षय कुमार और इमरान हाशमी-स्टारर 'सेल्फी' में एक कैमियो भूमिका में देखा गया था, अब उनकी पाइपलाइन में 'क्रैक' और 'फतेह' हैं। इस बीच, वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का 80वां संस्करण इस समय इटली के वेनिस लीडो में चल रहा है। यह महोत्सव, जिसे कान्स फिल्म महोत्सव और बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के साथ तीन बड़े महोत्सवों में गिना जाता है, का समापन 9 सितंबर, 2023 को होगा।

'गदर-2' की सक्सेस पार्टी में पहुँची खान तिकड़ी, सनी ने शाहरुख को लगाया गले

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल ने शनिवार शाम को अपनी फिल्म 'गदर 2' के हिट होने के बाद पार्टी दी। इस पार्टी में हिन्दी सिनेमा की खान तिकड़ीशाहरुख खान, आमिर खान और सलमान खानने शिरकत की। शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान के साथ पहुँचे। शाहरुख पहुंचे तो ना सिर्फ सनी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया बल्कि दोनों ने एक-दूसरे को दगले लगाया। दोनों की गले मिलते हुए तस्वीर सोशल मीडिया पर भी चर्चा में है। इसकी वजह ये है कि दोनों एक्टर में लंबे समय तक तनावपूर्ण रिश्ता रहा है। कई सालों तक तो दोनों ने एक दूसरे से बिल्कुल बात नहीं की। 'डर' के क्लाइमैक्स ने बिगाड़ दिए थे दोनों के रिश्ते साल 1993 में आई यशराज बैनर की फिल्म 'डर' में सनी देओल और शाहरुख खान ने साथ काम किया था। सनी देओल फिल्म के हीरो थे तो शाहरुख खान निगेटिव रोल में थे। फिल्म सुपरहिट रही लेकिन एक्टिंग के लिए सनी को नहीं बल्कि शाहरुख खान को तारीफें मिलीं। यहीं से दोनों सितारों के बीच रिश्ते बिगड़ने लगे। सनी देओल ने यशराज पर आरोप लगाया कि उनको जिस तरह का रोल बताया गया, वैसा फिल्म में दिखाया नहीं गया। फिल्म में विलेन को ग्लोरिफाई किया गया और उसको ही हीरो की तरह पेश किया गया। ये उनके साथ एक तरह से धोखा था। खासतौर से फिल्म के क्लाइमैक्स सीन पर तो सनी इतने खफा थे कि उन्होंने बेहद तीखे शब्दों में मेकर्स की आलोचना की थी।

सनी देओल ने एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में कहा था कि 'डर' का अनुभव उनकी जिंदगी का सबसे बेकार अनुभव रहा। उनसे झूठ बोला गया और मेकर्स ने धोखे से उनको साइडलाइन किया। शाहरुख खान से 16 साल तक बोलचाल बंद रहने की बात को स्वीकारते हुए सनी ने कहा था, ऐसा नहीं है कि मैंने किसी से जानबूझकर बात नहीं की। मैं ज्यादा सोशल नहीं हूं। इसलिए हम कहीं मिले ही नहीं तो बात कैसे होती। बीते कुछ सालों नें दोनो एक्टर्स की ओर से पुरानी बातों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ने की कोशिश की। हाल के दिनों में शाहरुख ने बड़ा दिल दिखाते हुए ना सिर्फ गदर 2 की पब्लिकली तारीफ की बल्कि सनी देओल को फोन कर बधाई भी दी। वहीं उन्होंने डायरेक्टर अनिल शर्मा की भी तारीफ की। इसके बाद सनी ने भी उन्होंने पार्टी में आने के लिए बुलावा भेजा और इसे शाहरुख ने भी कुबूल कर लिया।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो नॉर्थ की महिला विग ने केकेजी जोन के तत्वावधान में राजाजीनगर स्थित कार्यालय में 'नेविगेटिंग एक्सपेक्टेशन्स' विषय पर कार्यशाला आयोजित कर शिक्षक दिवस मनाया।

साधना का मार्ग और ज्ञान की प्राप्ति कराते हैं गुरु : साध्वी तत्वत्रयाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीजी श्री तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में 36 जोड़े सहित दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरी गुरुपद महापूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान साध्वीजी श्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि गुरु हमारे परम उपकारी है। गुरु स्वयं तिरने के साथ औरों को भी तारते हैं। जीवन में संपत्ति, स्वास्थ्य, सत्ता, पिता, पुत्र, भाई, मित्र अथवा जीवनसाथी से भी ज्यादा आवश्यकता सद्गुरु की है। सद्गुरु शिष्य को नयी दिशा देते हैं। साधना का मार्ग बताते हैं और ज्ञान की प्राप्ति कराते है। सच्चे सद्गुरु इस नश्वर शरीर में शाश्वत ईश्वर का ज्ञान कराकर जीते जी मुक्ति दिलाते हैं।

यदि परमात्मा की सच्चे हृदय से हमने पूजा की होती तो हमारा कभी का कल्याण हो गया होता । साध्वीश्री ने कहा कि पूजा उसी की सार्थक है, जो अपने जीवन में व्यसन को प्रवेश नहीं करने देता है। सत्यकर्म-यथार्थ उपदेश द्वारा पुत्र या शिष्य को कवच की भांति ढक लेता है, सत्यस्वरूप ज्ञान का उपदेश देता है और असत्य को रोकता है, उस गुरु को ही पिता और माता समझे। उसके उपकार को जानकर कभी उससे द्रोह न करें। संघ के नरेशजी बम्बोरी ने बताया कि गुरुपद महापूजन का मुख्य लाभ सरदारमल नीलेशकुमार लोढ़ा परिवार ने लिया धनंजयगुरुजी ने पूजन सम्पन्न कराई। सुनीलभाई एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी। यह जानकारी जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने दी।

पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु विजयनगर के मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत ने रविवार को बापूजी नगर में मयूर विनायक सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित अय्यप्पा स्वामी देवस्थान में गुरु राघवेंद्र स्वामीजी के 352 वें आराधना महोत्सव एवं अय्यप्पा स्वामी पूजा महोत्सव में विशेष पूजा की। इस मौके पर मुणोत ने अन्नदान कार्यक्रम की शुरुआत भी की। संस्था की ओर से उनका सम्मान किया गया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 616 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बसवेश्वरननगर में कमलानगर के पूर्व पार्षद एम शिवराजू, डॉ सोलंकी आई अस्पताल व प्रोजेक्ट दृष्टि के सौजन्य से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने किया। इस शिविर में कुल 616 मरीजों की जांच की गई। 425 लोगों को निशुल्क चश्में दिए गए। 54 रोगियों को चयनीत कर शल्य चिकित्सा के लिए डॉ सोलंकी अस्पताल भेजा गया। इस मौके पर पूर्व पार्षद एम शिवराजू, पुट्टया व उनकी टीम के साथ डॉ नरपत सोलंकी, डॉ एम सुन्दरम कोंडनराम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सुंदरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु शहर के मारुति भक्त मंडल द्वारा शनिवार को एमबीआर शंग्रीला अपार्टमेन्ट में संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मंडल के संपत गुलगुलिया ने ध्वजा चढ़ाकर बालाजी की ज्योत प्रज्वलित की। पंडित शंभुदयाल पारीक के नेतृत्व में संगीतमय चोपाइयों के साथ पाठ किया गया। मंडल द्वारा गोसेवा जीवदया एवम् अनाथ आश्रम में हर महीने सेवा देने का निश्चय किया गया ।

अखिल भारतीय लुणावत परिवार के स्नेह मिलन मोहनखेड़ा में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय लुणावत परिवार का स्नेह सम्मेलन मोहनखेडा (मध्य प्रदेश) जैन तीर्थ में 7-8 अक्टूबर को होना तय है। उसी संदर्भ में एक बैठक रविवार को गोड़वाड़ भवन में आयोजित हुई जो ताराचन्द लुणावत, शांतिलाल लुणावत, छगनमल लुणावत की अध्यक्षता में हुई।

इस बैठक में स्नेह मिलन के विषय में गहन चर्चा हुई तथा कर्नाटक प्रांत से सभी को शामिल होने का निवेदन किया गया। बैठक में कर्नाटक प्रान्त में लुणावत भाइपा की कार्यकारिणी समिति गठन करने के लिए ओमप्रकाश लुणावत, माणकचन्द लुणावत, शान्तिलाल लुणावत, जितेश लुणावत को नियुक्त किया गया। आगामी दीपावली पर लुणावत परिवार कर्नाटक प्रान्त का बेंगलूरु में दीपावली स्नेह मिलन करने का निश्चय किया गया। बैठक का समापन शांतिलाल लुणावत द्वारा मंगलपाठ से हुआ।

गुरु बिना हमारे जीवन में अंधकार है : डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि गुरु बिना अंधकार है। सूर्य के बिना दिन बेकार है उसी प्रकार जीवन में गुरु नहीं तो जीवन बेकार है । आज का दिन विशेष है आज हम द्वय महापुरुषों की जयंती मनाने जा रहे हैं। तीर्थंकरों के जन्म कल्याणक मनाए जाते हैं, महापुरुषों की जयंती मनायी जाती है । जिन्होंने अपना पूरा जीवन स्व और पर के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था ऐसे पूज्य मरुधर केसरी मिश्रीमल जी मरुधर की आन, बान और शान तथा भक्तों के भगवान थे। वह मिश्री की तरह मीठे थे और कड़क भी थे। उन्होंने एकता और संगठन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। आज वे भले ही दुनिया से चले गए हो लेकिन भक्तों के दिल से नहीं गए हैं । दूसरे महापुरुष संतश्री रुपचंदजी महाराज की भी जयंती है। उन्हें वचन सिद्धि प्राप्त थी। वे सरल हृदय के दूरदर्शी थे। वे दीन दुखियों के मसीहा थे। उनके दरबार में आया कोई व्यक्ति खाली हाथ नहीं जाता था। जीवदया के लिए उन्होंने बहुत बड़े कार्य किया। अनेक गौशालाएं खुलवाई । ऐसे महापुरुषों की जयंती के अवसर पर हम सभी उनके गुणों को याद करके उनके गुणों को अपने जीवन में उतारेंगे तो निश्चय ही हमारा भी कल्याण संभव है। इससे पूर्व साध्वी मल्लीश्रीजी ने भजन के माध्यम से अपने भाव व्यक्त किये। साध्वी ऋषिताश्रीजी ने गुरु के साथ अपने बचपन के संस्मरणों को याद करते हुए गुरु के प्रति श्रद्धा भावना व्यक्त की। इससे पूर्व साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि गुरु ही हमें भगवान बनने का रास्ता बताते हैं।

साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। रविवार को भिक्षु दया का आयोजन रखा गया जिसमें पच्चास से अधिक श्रावकों ने पूरे दिन की आराधना साधना करने का लाभ लिया। भिक्षु दया के लाभार्थी दीपचंद महेंद्रकुमार हितेशकुमार भंसाली थे। आयोजन में नवयुवक मंडल के मंत्री हितेश कांकलिया, कांतिलाल सालेचा, सुनील लुंकड़, अशोक भंसाली आदि कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

प्रभु के वचन कल्याणकारी और हितकारी हैं : मुनि राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि प्रभु के वचन कल्याणकारी है और अनेक जीवों के लिए हितकारी है। उन्होंने कहा कि अरिहंत परमात्मा के वचन कल्याणकारी और अनेक जीवों के उद्धारक होते हैं, उनके वचन पर श्रद्धा रखने वाले जीवों का जीवन सुधर जाता है।

महातीर्थ श्री शत्रुंजय तीर्थ की महिमा का गान करते हुए छ :गाउ की यात्रा की विषय में बताते हुए कहा कि इस पवित्र भूमि पर अनेक आत्माओं ने अपनी आत्माक का कल्याण कर सिद्धशिला में अपना स्थान प्राप्त किया।

गुरु के दर्शन मात्र से व्यक्ति धन्य हो जाता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि गुरु शिष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते है। वह मोक्ष का पवित्र मार्ग दिखाते है। गुरु ही होता है जो मोक्ष मार्ग को दिव्य नेत्रों से देखने की शक्ति प्रदान करता है। अज्ञान के अंधकार को मिटा ज्ञान की रोशनी जीवन में गुरु ही करते है।

गुरु के दर्शन मात्र से व्यक्ति धन्य हो जाता है। उनकी आत्मा में अनंत ज्ञान प्रकट होता है। गुरु की महिमा का जितना भी गुणगान किया जाए वह कम प्रतीत होता है। साध्वी शीतलगुणाश्री जी ने कहा कि तन की जाने, मन की जाने, जाने चित की चोरी उस प्रभु से क्या छिपावे जिसके हाथ है सबकी डोरी। गुरुदेव में ही आस्था, विश्वास, शक्ति, सारा संसार, गर्व, पर्व निर्भर करता है। प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है।

पूजन का लाभ गौतमचंद घेवरचंद गांधीमुथा ने लिया। मांगीलाल वेदमुथा ने शुद्ध उच्चारण से विधान कराया। रामू सिसोदिया टीम में संगीत दिया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, कांतिलाल गांधीमुथा, तिलोकचंद भंडारी, नेमीचंद वेदमुथा, दिलीप कांकरिया आदि उपस्थित रहे।

आचार्य पार्श्वचन्द से किया चातुर्मास निवेदन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के करीब 100 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को रायचूर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी म,.सा. के दर्शन कर उनसे बेंगलूरु चातुर्मास के लिए निवेदन किया।

अलसूर संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने संघ की ओर से निवेदन करते हुए आचार्य से चतुर्विध संघ सहित अलसूर चातुर्मास हेतु निवेदन किया। इस बाबत आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी म.सा को चातुर्मास व्यवस्था समिति 2024 के गठन की जानकारी दी। संघ अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया एवं किशनलाल कोठारी ने संघ के निवेदन पत्र को औपचारिक रूप से आचार्य की सेवा में समर्पित किया। आचार्य ने परंपरा अनुसार होली चौमासी पर अपना निर्णय बताने की बात कही।

प्रतिशोध की बजाय परिवर्तन की सोच रखें : दीपक शिंदे

जीतो महिलाओं की 'नेविगेटिंग एक्सपेक्टेशन्स' विषय पर हुई कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नॉर्थ की महिला विंग ने केकेजी जोन के तत्वावधान में राजाजीनगर स्थित कार्यालय में 'नेविगेटिंग एक्सपेक्टेशन्स' विषय पर कार्यशाला आयोजित कर शिक्षक दिवस मनाया। केकेजी जोन महामंत्री दिलीप जैन, जीतो नॉर्थ उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा, अपेक्स न्यूट्रीशियन व हेल्थ संयोजक निशा सामर, अपेक्स स्पॉन्सरशिप संयोजक मोनिका पिरगल, नॉर्थ महिला अध्यक्ष बिंदु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा, नॉर्थ मेंटर सरिता खींवेसरा, संयोजक भाविका कोठारी, सह संयोजिका सुमन रांका इत्यादि द्वारा दीप प्रज्वलन से सेमिनार की विधिवत्त शुरुआत हुई। दिलीप जैन ने अल्पावधि में नॉर्थ महिला विंग द्वारा संपादित अनेकों जन-हितेषी कार्यों की सराहना की। सिद्धार्थ बोहरा ने कहा कि आज पारिवारिक-सामाजिक-आर्थिक जिम्मेदारियो में नारी शक्ति अपनी भूमिका का प्रदर्शन शानदार तरीके से कर रही है।

सेमिनार में प्रशिक्षक राष्ट्रीय स्तरीय प्रेरक वक्ता व जीवन मंत्रा गुरु दीपक शिंदे ने जीवन में माता-पिता-गुरु-देव के महत्व एवं जीवन में अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वेदों ने हमें सिखाया है कि हमारा जीवन माता, पिता, गुरु एवं देव रूपी चार स्तंभों पर टिका हुआ है। जीवन की शुरुआत करने वाली माँ आपका परिचय पिता से करवाती है और पिता एक निश्चित उम्र के पश्चात आपको गुरु को सौप देते जो आपको जीवन जीने की कलाओं से अवगत कराने के साथ-साथ देव (भगवान) से साक्षात्कार की भूमिका भी निभाते है। गुरु बताते है कि श्रद्धा में देव की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि गुरु से सीखना जितना महत्वपूर्ण है उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण होता है सीखे हुए को जीवन में उतारना। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें इन चार रिश्तों के प्रति हमेशा सद्भावना, कृतज्ञता एवं आदर होना चाहिये। जीवन में अपेक्षाओं के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इच्छाओं एवं अपेक्षाओं में बहुत अंतर होता है, इच्छायें स्वयं से होती है बल्कि अपेक्षायें दूसरों से और जहा जुड़ाव होगा वही से अपेक्षाओं का उद्भव होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में अपेक्षायें कभी पूर्ण नहीं होती है और वही से प्रतिशोध की शुरुआत होती है। उन्होंने कहा कि हमे प्रतिशोध की बजाय परिवर्तन की सोच रखनी चाहिये। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि हम आम के पेड़ के नीचे खड़े होकर संतरा पाने की गलत इच्छा करते है जबकि वहां खड़े होकर आम पाने के लिये भी पुरुषार्थ करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी हमको अपेक्षायें बदलनी पड़ती है तो कभी छोड़नी भी पड़ती है और यह समझने वाला ही बुद्धिमान होता है।

प्रशिक्षक, अतिथि नवीन व प्रीति बलडोटा का पदाधिकारियों ने सम्मान किया। आयोजन पर अपेक्स निदेशक सुनीता बोहरा, अपेक्स महिला अध्यक्ष संगीता ललवाणी, केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा, नॉर्थ अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, महिला विंग संयोजक कमल पुनमिया आदि ने शुभकामनायें दी। इस अवसर पर नॉर्थ महिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना व रेश्मा पुनमिया सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं। संयोजिका भाविका कोठारी ने प्रशिक्षक का परिचय दिया।संचालन सह संयोजिका सुमन रांका ने किया तथा महामंत्री सुमन वेदमुथा ने आभार व्यक्त किया।

ज्ञानशाला दिवस के मौके पर 14 विद्यार्थियों ने साधु जीवन स्वीकार करने के भाव प्रकट किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में ज्ञानशाला दिवस का आयोजन तेरापंथी सभा के अन्तर्गत ज्ञानशाला प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि ज्ञानशाला संस्कार संवर्धन का महत्वपूर्ण उपक्रम हैं। आज जहां चारों ओर संस्कारों का ह्रास हो रहा है वहां ज्ञानशाला संस्कारों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ज्ञानशाला के माध्यम से जैन धर्म, तेरापंथ, व्यवहार कौशल आदि सत् संस्कारों का बीजारोपण किया जाता है। मुनिश्री के पूछने पर एक-एक करके 14 बच्चों ने दीक्षा लेने की भावना व्यक्त की, उस समय तेरापंथ भवन ॐ अर्हम की ध्वनि से गूंजित हो गया।

मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा कि मैं भी विजयनगर ज्ञानशाला का ज्ञानार्थी रहा था, ज्ञानशाला से मुनि बन गया। मुझे यहां से संस्कार प्राप्त हुए। कार्यक्रम में ज्ञानशाला के बच्चों ने मंगलाचरण का संगान किया। ज्ञानशाला संस्कारों का जागरण करती है नामक नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम में ज्ञानशाला के आंचलिक सहसंयोजक सुरेश नाहर, सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, तेरापंथ युवक परिषद् अध्यक्ष राकेश पोखरणा, तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्षा मंजु गादिया, ज्ञानशाला संयोजिका मनीषा घोषल, बिमल श्यामसुखा आदि ने भावाभिव्यक्ति दी। ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं ने गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम से पूर्व ज्ञानशाला परिवार द्वारा अर्हम् भवन से तेरापंथ भवन तक रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सीमा टेबा ने किया।

प्रसन्नता जीवन की बड़ी उपलब्धि : मुनि दीपकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में 'कैसे रहे प्रसन्न' विषयक कार्यशाला का आयोजन तेरापंथी सभा द्वारा किया। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि प्रसन्नता जीवन की एक बड़ी उपलब्धि है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में, हर पल प्रसन्न रहना जानता है , उससे ज्यादा सुखी और बड़ा आदमी दुनिया में कोई नहीं हो सकता। वह व्यक्ति जीवन के हर मोड़ पर सफलता प्राप्त कर सकता है। हंसी मन की गाँठे खोलती है। मस्तिष्क से शरीर पर उतरने वाली सभी बीमारियों का हंसी अर्थात् मन का प्रसन्न भाव, उल्लास और भीतर की पुकार अचूक औषधि है। वह ऐसी बीमारियों को रोकती है जैसे चांदनी अँधेरे को। प्रसन्नभाव को देवता कहा गया है, देवता उसी के पास आते हैं जो प्रसन्न होता है।

प्रसन्नता से मतलब केवल शारीरिक हास्य से नहीं है, भीतरी पवित्रता से उत्पन्न प्रसन्न भाव चाहिए। प्रसन्नता व्यक्ति की कार्य क्षमताओं का विकास करती है। कार्यक्रम में मुनि काव्य कुमारजी ने सम्यक दर्शन कार्यशाला के संदर्भ में विचार रखें।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com